RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः293, मंगलवार, 04 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

एपी पाठक को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि .. 03

बिहार चुनावः कांग्रेस विधायक के आवास पर देर रात पुलिस की छापेमारी से सियासी तूफ़ान... 04

जान्हवी कपूर ने सुंदर दिखने के लिए कराई सर्जरी बोलीं- सब मां के मां के मार्गदर्शन... 07

पीएम मोदी बोले- भारत तकनीक से बदलाव लाने का लीडर

- 1 लाख करोड़ की स्कीम लॉन्च की, कहा- हमारे पास सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के बने भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव (ईएसटीआईसी) 2025 में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएण्डडी) इकोसिस्टम

को बढ़ाने के लिए एक लाख करोड़ रुपए की रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्कीम फंड लॉन्च किया।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब केवल टेक्नोलॉजी का कन्ज्यूमर नहीं रह गया है। वह टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का पायोनियर बन गया है। दुनिया का सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रकचर भारत के पास है ईएसटीआईसी 2025 कॉन्क्लेव 5 नवंबर तक चलेगा। इसमें एजुकेशन, रिसर्च, उद्योग से जुड़े 3,000 से ज्यादा प्रतिभागी, नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रख्यात वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स शामिल हो रहे हैं। जब विज्ञान का पैमाना मिलता है, जब नवाचार समावेशी हो जाता है, जब प्रौद्योगिकी परिवर्तन को प्रेरित करती है, तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है।

जोधपुर में एक साथ जली 12 चिता, चीख-पुकार मची

- भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर 15 मौतों के बाद एक्शन, हाईवे किनारे से अवैध ढाबों को हटाया

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के फलोदी में रविवार शाम करीब 6.30 बजे भीषण सड़क हादसे में 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 2

महिलाएं घायल हैं। मरने वालों में एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं। सभी श्रद्धालु जोधपुर के सूरसागर इलाके के रहने वाले थे। मोक्ष धाम में एक साथ 12 चिता जली तो चीख पुकार मच गई। बड़ी संख्या में लोग मृतकों को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी मोक्ष धाम पहुंचकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना भी दी।

इससे पहले नैणची बाग के खटुकड़ी का बास में एक घर में 6 शव पहुंचे तो परिवार वाले चीखने लगे। खुश सांखला, उसकी मां मधु सांखला, गीता, सानिया, दिशा और रामेश्वरी की अर्थियां एक साथ उठीं। पूरे मोहल्ले और आसपास के इलाकों के लोग पहुंचे थे। सबकी आंखें नम थीं।

अनिल अंबानी की 3000 करोड़ की 40 प्रॉपर्टीज जब्त

- पाली हिल वाला घर भी शामिल, इसमें हेलीपैड से लेकर जिम और लाउंज

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 40 से ज्यादा प्रॉपर्टीज को अटैच कर दिया है। प्रॉपर्टीज में अनिल अंबानी का पाली हिल वाला घर भी है। अटैच की गई प्रॉपर्टीज की कुल वैल्यू 3,084 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ये एक्शन मनी लॉन्ड्रिंग केस में लिया गया है, जिसमें यस बैंक से लिए लोन का फंड डायवर्जन का मामला शामिल है। ईडी का कहना है कि ये पब्लिक मनी रिकवर करने के लिए जरूरी हैं। प्रॉपर्टी अटैच करने का ये आदेश 31 अक्टूबर 2025 को पीएमएलए की धारा 5(1) के तहत जारी किए गए।

'रहेगा सबसे ऊपर हमारा तिरंगा, हम हैं टीम इंडिया...'

8 साल में ऐसे बदला भारत का विमेंस क्रिकेट, 300 रन बनाने की आदत, मेंस टीम के बराबर सैलरी; डब्ल्यूपीएल ने अटैकिंग अप्रोच दी

मुंबई (एजेंसी)। विश्व कप जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में माहौल जश्न में डूबा हुआ रहा। जीत की खुशी, आंखों में चमक और हाथों में तिरंगा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ये तस्वीरें हर भारतीय के दिल को गर्व से भर देने वाली हैं। खिलाड़ियों ने 'रहेगा सबसे ऊपर हमारा तिरंगा, हम हैं टीम इंडिया' गाना गाते हुए मैदान से लेकर लॉकर रूम तक जीत का जश्न मनाया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल जीतकर इतिहास

रच दिया है। भारत की बेटियों ने 47 साल के इंतजार को खत्म करते हुए देश का सपना पूरा किया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में गर्व और खुशी का माहौल है, देशभर में देर रात मने जश्न-ए-आतिशबाजी के रूप में देखा गया। बेटियों के पराक्रम से देशवासी गौरवान्वित हुए हैं।

- 2017 में हुई बदलाव की शुरुआत- 2017 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में 229 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 191 रन पर 3 ही विकेट गंवाए थे। टीम को 43 गेंद पर 38 रन चाहिए थे और 7 विकेट बाकी थे। टीम 48.4 ओवर में 219 रन ही बना सकी और 9 रन से करीबी मुकाबला गंवा दिया। फाइनल हारने के बाद हरमनप्रीत ने कहा था, हम जीत नहीं पाए, लेकिन अब लोग हमारा नाम जानते हैं। इतने बुरे अनुभवों के बाद टीम इंडिया ने 30 अक्टूबर 2025 को 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को न सिर्फ हराकर फाइनल में जगह बनाई।

आज वर्ल्ड चैंपियंस से मिलेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए नई दिल्ली आएगी। यह टीम फिलहाल मुंबई में है और बुधवार (04 नवंबर) को प्रधानमंत्री से मुलाकात करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने टीम की इस शानदार जीत पर टीम को बधाई दी थी। उन्होंने खिलाड़ियों के जज्बे और एकता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन बेहतरीन कौशल और आत्मविश्वास से भरा था।

- चुनावी सभा में पीएम मोदी बोले-

राजद-कांग्रेस को कट्टा और कट्टरपंथी ही पसंद है

भारत की बेटियों ने इतिहास रच दिया

कटिहार, सहरसा (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोमवार (3 नवंबर) को कटिहार में सभा की। उन्होंने कहा, आप आरजेडी-कांग्रेस के पोस्टर देखिए। इनकी पार्टी के पुराने नेताओं की तस्वीरें पोस्टर से गायब है। अपने पिता का नाम बोलने में इन्हें शर्म आ रही है। वो कौन सा पाप है जिसे आरजेडी वालों को बिहार के नौजवानों से छिपाना पड़ रहा है। इन लोगों के पोस्टर से कांग्रेस लगभग गायब है।

कांग्रेस के नामदार ने छठ महापर्व को इसलिए भी ड्रामा बताया ताकी बिहार के लोग राजद पर गुस्सा निकालें और राजद को पराजित करें। कांग्रेस के बड़े नेताओं के बयान आपने सुनें होंगे। अलग-अलग राज्यों में कांग्रेस के नेताओं से बिहार के लोगों के लिए अपमानजनक बातें बुलाई जा रही हैं।

कांग्रेस जानती है कि इस बार भी राजद हार गई तो उसकी राजनीति

खत्म हो जाएगी और कांग्रेस राजद के वोट बैंक पर कब्ज़ा कर लेगी।

पीएम मोदी ने मंच से महिला क्रिकेट टीम के लिए तालियां बजवाईं। उन्होंने कहा कि ये मध्यम परिवार की बेटियां जिन्होंने देश का मान बढ़ाया। मैं उनके माता-पिता को भी बधाई देता हूं।आज हमारी बेटियां हर मोर्चे पर नई बुलंदी छू रहीं हैं। फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं। बिहार की पहचान ज्ञान से भी है और नारी सम्मान से भी है। बिहार हमेशा से ही नारी शक्ति का सशक्त स्थान रहा है। माता सीता हो, देवी भारती हो, विदुषी गार्गी हो, ऐसी अनगिनत महिलाएं, माताएं हमारी प्रेरणाएं हैं।नारी सशक्तिकरण की इस प्रेरित भूमि से मैं आज पूरे देश को महिला क्रिकेट विश्व कप की विजय पर बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कल मुंबई में भारत की बेटियों ने इतिहास रच दिया है। भारत ने पहली बार महिला क्रिकेट विश्व कप जीता है। पूरे 25 साल बाद दुनिया को नया विश्व विजेता मिला है और ये गौरव भारत की बेटियों ने पूरे देश को दिया है।

आरजेडी ने कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया

इससे पहले सहरसा में जनसभा में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि सीएम पद पर आरजेडी के नेता का नाम हो। आरजेडी ने भी मौका नहीं छोड़ा। आरजेडी ने कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया।इससे कांग्रेस वाले बड़े गुस्से में हैं। बिहार में उनकी लुटिया तो बहुत पहले डूब चुकी है। उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। अब कांग्रेस ने आरजेडी की लुटिया डुबाने की सुपारी ले ली है। कांग्रेस का एक नेता खुलेआम मंच पर कह रहा है कि हमें अकेले चलना चाहिए, अपनी पहचान बनानी चाहिए।

गुजरात में कारोबारी ने पूरे गांव का कर्ज चुकाया

- किसानों पर 90 लाख का कर्ज था, मां की पुण्यतिथि पर पूरे पैसे बैंक में जमा कराए

अमरेली (एजेंसी)। गुजरात के अमरेली जिले के रहने वाले एक कारोबारी ने अपने पूरे गांव को कर्जमुक्त बना दिया। सावरकुंडला तहसील के जीरा गांव के निवासी बाबूभाई जीरावाला ने अपनी मां की पुण्यतिथि पर गांव के 290 किसानों का पिछले 30 सालों का कर्ज चुका दिया। इसके लिए उन्होंने 90 लाख रुपए दान किए। उनकी इस मदद से गांव के सभी किसान कर्जमुक्त हो गए हैं।

1995 से बैंक के ऋण का मामला लंबित था- इस बारे में बाबूभाई जीरावाला ने बताया- हमारे गांव में जीरा सेवा सहकारी मंडल को लेकर 1995 से एक बड़ा विवाद चल रहा था। इस समिति के तत्कालीन प्रशासकों ने किसानों के नाम पर फर्जी ऋण लिए थे। इतने सालों में कर्ज कई गुना तक बढ़ गया था। किसानों को सरकार से मिलने वाली सहायता, ऋण और अन्य सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा था। गांव के किसानों को बैंक कोई लोन नहीं देती थी। लोन न मिलने से किसान परेशान थे। कर्ज के चलते जमीनों का बंटवारा तक नहीं हो पा रहा था।

दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- सीएक्यूएम से कहा- समस्या आने से पहले उठाएं कदम; मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से विस्तृत हलफनामा मांगा है। अदालत ने कहा कि एजेंसियां सिर्फ प्रदूषण बढ़ने पर नहीं, बल्कि पहले से कदम उठाएं। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए सोमवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से हलफनामा मांगा है। अदालत ने आयोग से पूछा कि अब तक प्रदूषण रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं।

तेलंगाना के रंगारेड्डी में बस-डंपर की टक्कर, 19 की मौत, 20 घायल

लोग गिट्टी के नीचे दबे, शवों को निकालने के लिए बस काटनी पड़ी

रंगारेड्डी (एजेंसी)। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह हैदराबाद-बीजापुर हाईवे पर गिट्टी से लदे डंपर ने तेलंगाना रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बस को टक्कर मार दी। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 महीने का बच्चा, 10 महिलाएं और दोनों वाहनों के ड्राइवर शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि 20 लोग घायल हैं। सभी का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। यह हादसा हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर चेवेल्ला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में खानपुर गेट के पास हुआ। यह बस विकाराबाद जिले के तंदूर से हैदराबाद जा रही थी।गलत दिशा से आ रहे डंपर ने बस को सामने से टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस बुरी तरह डैमेज हो गई और डंपर पर लदी गिट्टी बस के अंदर यात्रियों पर जा गिरी। इससे कई यात्री दब गए।

कार को टक्कर मारने के बाद पांच गाड़ियों से टकराया डंपर, 50 को रौंदा; 13 लोगों की मौत

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में तेज रफ्तार डंपर ने एक के बाद एक 17 गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में कई के शरीर टुकड़ों में बंट गए। किसी का पैर कट गया तो किसी का हाथ। हादसे में 10 घायल हो गए। 6 गंभीर घायलों को एसएमएस अस्पताल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि हादसा सोमवार दोपहर हरमाड़ा के लोहा मंडी पर हुआ। दोपहर करीब 1 बजे डंपर लोहा मंडी पेट्रोल पंप की तरफ से रोड नंबर -14 से हाईवे पर चढ़ने के लिए जा रहा था।

आरजेडी की सरकार बनी तो अपहरण-लूट-खून मंत्रालय बनेंगे : अमित शाह

- आपको सिंचाई-शिक्षा का विभाग चाहिए या फिरौती का; जंगलराज वालों को वापस मत आने दो

सीतामढ़ी (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मधुबनी के खुटौना में जनसभा कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत मैथिली भाषा से की। इस दौरान उन्होंने लालू यादव और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

शाह ने कहा, लालू-राबड़ी ने बिहार में अपहरण, डकैती, फिरौती, लूट और हत्या के उद्योग लगाने का काम किया। जबकि नीतीश जी और मोदी जी की जोड़ी ने बिहार में विकास करने का काम किया। आपको सिंचाई-शिक्षा का विभाग चाहिए या फिरौती का। आरजेडीकी सरकार बनी तो अपहरण-लूट-खून मंत्रालय बनेंगे। जंगलराज वालों को वापस मत आने दो। हमें बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए वोट देना है।

- चुनावी सभा में प्रियंका गांधी बोलीं-

नेहरू-इंदिरा को कोसने के लिए 'अपमान मंत्रालय' बनाएं मोदी सरकार

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को जिले के सोनबरसा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची से 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया है, जो न केवल उनके मताधिकार का हनन है, बल्कि सीधे तौर पर उनकी नागरिकता छीनने जैसा गंभीर कदम है। निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटे की देरी से सभास्थल पहुंची प्रियंका गांधी ने अपने 25 मिनट के भाषण के दौरान राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव या तेजस्वी यादव का नाम नहीं लिया, बल्कि सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को निशाने पर रखा।

सीएम योगी बोले- पप्पू, टप्पू और अप्पू महागठबंधन के 3 बंदर

इन्हें न सच दिखाई देता है, न सुनाई; ये खानदानी लुटेरे

पटना (एजेंसी)। बिहार में यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा- आपने महात्मा गांधी के तीन बंदरों के बारे में सुना होगा। गांधी जी के बंदरों ने हमें सिखाया था- बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो और बुरा मत बोलो। लेकिन आज, इंडी गठबंधन में तीन और बंदरों आ गए हैं- 'पप्पू, टप्पू और अप्पू'।

उन्होंने कहा- 'पप्पू' न तो सच बोल सकता है और न ही कुछ अच्छा कह सकता है। 'टप्पू' कुछ अच्छा नहीं देख सकता और 'अप्पू' सच नहीं सुन सकता। ये लोग एनडीए सरकार के विकास कार्यों को नहीं देख सकते। वे अपने आसपास हो रहे काम को सुन नहीं सकते। इसके बारे में बोल नहीं सकते। इसलिए वे झूठ और गलत सूचना फैलाते हैं।

उन्होंने एक बार फिर याद दिलाया- बंटेंगे तो कटेंगे। उन्होंने कहा- बंटेंगे नहीं और कटेंगे भी नहीं। एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। बिहार को समृद्ध बनाएंगे। ये बातें योगी ने सोमवार को बिहार चुनाव के प्रचार के लिए दरभंगा के केवटी में एनडीए प्रत्याशी मुरारी मोहन झा के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते वक्त कहीं।

संक्षिप्त समाचार

खेसारी लाल यादव ने लोगों को दिया फ्लाइंग किस, वैशाली में जनसभा के बीच पगड़ी उतरवाई

हाजीपुर। वैशाली में भोजपुरी गायक खेसारी लाल यादव ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से अपनी पगड़ी उतारने को कहा। उन्होंने भीड़ को फ्लाइंग किस भी दिया और 'आई लव यू' बोला। खेसारी ने कहा कि ऐसी हरकतों के कारण ही उन्हें अक्सर ट्रोल किया जाता है। खेसारी लाल यादव राष्ट्रीय जनता दल (RJD) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने तेजस्वी यादव के चुनावी क्षेत्र राघोपुर में आयोजित इस जनसभा में उनके चुनाव चिन्ह पर मतदान करने की अपील की। यह जनसभा वैशाली के बिदुपुर में आयोजित की गई थी। खेसारी लाल यादव को रविवार दोपहर 2 बजे सभा में पहुंचना था, लेकिन वे देर रात करीब 9:30 बजे बिदुपुर पहुंचे। इसके बावजूद, उन्हें देखने और सुनने के लिए भारी संख्या में लोग देर रात करीब 10 बजे तक डटे रहे। खेसारी लाल यादव के संबोधन के दौरान युवाओं में काफी जोश और उत्साह देखा गया। सभा समाप्त होने के बाद, उनसे हाथ मिलाने और तस्वीरें लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिसे सुरक्षाकर्मियों और पुलिस अधिकारियों ने सभा स्थल से बाहर निकाला।

पटना में रणजी मैच का तीसरा दिन, खराब मौसम के कारण दो दिन तक मैच नहीं हुआ

पटना। पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में आज बिहार और मेघालय के बीच रणजी ट्रॉफी मुकाबला का तीसरा दिन है। 2 दिन से लगातार हो रही बारिश और मौसम खराब होने की वजह से मैच का टॉस तक नहीं हो सका था। बारिश से मैदान पूरी तरह गीला रहा। मैच रेफरी और अंपायरों के कई बार मैदान का निरीक्षण किया गया था, पर परिस्थितियां खेलने योग्य नहीं बन पाईं थी। इस कारण 2 दिनों तक दोनों टीमों को मैदान के किनारे ही इंतजार करना पड़ा। रणजी ट्रॉफी के इस मुकाबले को लेकर मैच रेफरी ने उम्मीद जताई है कि आज मौसम में सुधार होगा जिससे खेल को शुरू किया जा सके। मोन्था तूफान मुकाबले में खलल डाल रही है। गुरुवार और शुक्रवार को दोनों टीम अपना प्रैक्टिस मैच नहीं खेल सकी थी। इससे पहले गुजरात के नडियाद में मणिपुर के खिलाफ बिहार का दूसरा मैच भी बारिश के कारण ड्रॉ हो गया था। अभी रणजी में बिहार के 8 और मेघालय के 4 अंक हैं। दूसरी ओर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने रणजी ट्रॉफी सीजन के इस मुकाबले के लिए सकीबुल गनी को टीम का कप्तान और वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान नियुक्त किया है। बिहार की रणजी टीम अपना अगला मुकाबला प्लेट ग्रुप में मेघालय के खिलाफ खेलेगी। इस मुकाबले के लिए चयनित खिलाड़ियों में अर्णव किशोर, आयुष लोहारुका, बिपिन सौरभ, कुमार रजनीश, अमोद यादव, साकिब हुसैन, वचस्पति, शुभम रॉय, हिमांशु सिंह, सचिन कुमार, खालिद आलम, पियूष कुमार सिंह, मंगल महरोर और मलय राज शामिल हैं। बिहार टीम इस रणजी सत्र में अपना खाता जीतकर खोला था। बिहार ने अरुणाचल प्रदेश को एक पारी और 165 रनों से हराया था। अरुणाचल प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था, लेकिन बिहार की गेंदबाजी के सामने पूरी टीम पहली पारी में 32.3 ओवर में 105 रन पर सिमट गई। इसके बाद बिहार ने जवाबी पारी में ठोस बल्लेबाजी करते हुए 166.3 ओवर में 9 विकेट पर 542 रन बनाए। दूसरी पारी में अरुणाचल प्रदेश ने 75.3 ओवर में 272 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी और बिहार टीम विजयी हुई।

हाजीपुर में गांधी सेतु पर हादसा, सुधा दूध चालक की मौत, अज्ञात ट्रक ने कुचला

हाजीपुर। हाजीपुर महात्मा गांधी सेतु के पाया नंबर 28 के पास रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में सुधा दूध गाड़ी के चालक की मौत हो गई।मृतक की पहचान बरौनी तेघरा गांव निवासी स्वर्गीय बहर पासवान के 50 साल के बेटे सुबोध पासवान के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबोध पासवान बरौनी से दूध लेकर पटना के वेयरहाउस जा रहे थे।इसी दौरान पाया नंबर 28 के पास पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी।टक्कर लगने के बाद वे गाड़ी से उतरकर स्थिति देखने लगे, तभी पीछे से तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी राहगीरों ने तत्काल गंगा ब्रिज थाने की पुलिस को दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया।पुलिस ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद मृतक के स्वजन अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव को गांव ले जाकर अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू की।हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।मामले की जांच की जा रही है और फरार वाहन की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

चुनाव ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों से हाथापाई, रांची से आरोपी गिरफ्तार

हाजीपुर। विधानसभा चुनाव के दौरान पुलिस अधिकारियों से हाथापाई और गाली-गलौज करने वाले आरोपी को वैशाली पुलिस ने झारखंड के रांची से गिरफ्तार किया है। आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर बिदुपुर थाना लाया गया, जिसके बाद उसे रविवार को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलेश प्रसाद सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिदुपुर थाने के चेचर गांव का निवासी है और पिछले कुछ समय से रांची के चुटिया थाना क्षेत्र के केतारी बगान में रह रहा था।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायिक हिरासत में भेजा गया। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि यह घटना 22 अक्टूबर की है।विधानसभा चुनाव के दौरान सैदपुर गणेश स्थित एसएसटी पोस्ट पर वाहन जांच चल रही थी। उसी दौरान आरोपी ने मौके पर तैनात दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों से हाथापाई व गाली-गलौज की थी।इस दौरान पुलिस ने आरोपी की मारुति कार को जब्त कर लिया था। घटना के बाद दंडाधिकारी सुनील कुमार बंटी ने शैलेश कुमार सिंह, उनके पुत्र संतोष कुमार और पत्नी ममता देवी के खिलाफ बिदुपुर थाना कांड संख्या 638/25 के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी।मामले को संवेदनशील मानते हुए पुलिस ने तीनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए वैशाली एसपी ललित मोहन शर्मा ने एक विशेष टीम का गठन किया।इस टीम में बिदुपुर थानाध्यक्ष रवि प्रकाश, अपर थानाध्यक्ष राकेश कुमार यादव और अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। टीम ने तकनीकी निगरानी और खुफिया इनपुट के आधार पर आरोपी को रांची से गिरफ्तार किया। SDPO ने कहा कि चुनाव ड्यूटी में बाधा डालना गंभीर अपराध है और इस तरह की घटनाओं पर पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फतुहा में तेजस्वी बोले- मौका दीजिए, बिहार में विकास होगा

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने फतुहा के गढ़ोचक के कृपाल टोला में एक जनसभा को संबोधित किया। हालांकि, चुनाव प्रचार की व्यस्तता के कारण वे बहुत कम समय दे पाए क्योंकि उन्हें अन्य सभाओं में शामिल होने जाना था। तेजस्वी यादव को देखने के लिए फतुहा प्रखंड की अलग-अलग पंचायतों से बड़ी संख्या में लोगों का जुटान हुआ था। कार्यकर्ता और समर्थकों के बीच काफी उत्साह देखा गया। मंच पर राजद प्रत्याशी डॉ. रामानंद यादव ने उनका स्वागत किया, जबकि इस महत्वपूर्ण सभा का संचालन नगर अध्यक्ष दयानंद यादव ने किया।

'मौका दीजिए, बिहार में विकास होगा': तेजस्वी यादव ने कहा कि "मौका दीजिए, बिहार में विकास होगा। अब तक जो कहा, वो किया और आगे भी करूंगा। उम्र कच्ची हो सकती है, लेकिन जुबान पक्की है। हर जाति, हर धर्म के लोगों को साथ लेकर चलेंगे। सरकारी नौकरी दूंगा, वादा है। संबोधन के अंत में, तेजस्वी ने अपार जनता के बीच उनकी जीत की बधाई देते हुए माला पहनाई। उन्होंने कहा कि "20 वर्षों में जो काम नहीं हुआ, वो सब कर के तेजस्वी दिखाएगा। इसलिए वोट दीजिए और भारी बहुमत से रामानंद यादव को जिताकर मेरा हाथ मजबूत करिए। बहुत कम समय में तेजस्वी ने सभा में शामिल युवाओं को टारगेट करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह विधायक का चुनाव नहीं, बल्कि सरकार चुनने का चुनाव है। तेजस्वी यादव ने अपनी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए आगे कहा कि आप समझिए कि एक मेरा हेलीकॉप्टर उड़ रहा, और 30 हेलीकॉप्टर हमारे हेलीकॉप्टर को रोकने के लिए हैं।

> ♦ जो 20 साल में नहीं हुआ वो तेजस्वी करके दिखाएगा : तेजस्वी

हमें रोकने के लिए कई लोग लगे हुए हैं: तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र और राज्य के मंत्री, अधिकारी, गोदी मीडिया, प्रशासन के लोग, पूंजीपति, चुनाव आयोग, ED, CBI, इनकम टैक्स - सभी मेरे पीछे लगे हैं। लेकिन अकेले आपने जो ताकत तेजस्वी को दी है, इस ताकत के साथ आज तेजस्वी लड़ रहा है।

पटना में पुलिस और चोर भिड़े, बीच सड़क पर ड्रामा

एजेंसी, पटना

पटना के कोतवाली इलाके के सिन्हा लाइब्रेरी रोड में पुलिस और चोर गिरोह आमने सामने हो गया। इस दौरान बीच सड़क पर जमकर हाईवोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। आस पास से गुजर रहे लोग भी ड्रामा देखकर जमा हो गए। तकरीबन 10 से 15 मिनट तक तू तू मैं मैं और गाली गलौज के बाद महिला समेत उसके साथी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। फिलहाल दोनों को कोतवाली थाने पर ले जाया गया है। दरअसल सोमवार की दोपहर थाने में पदस्थापित दारोगा अजय कुमार इन्वेस्टिगेशन के लिए निकले थे। एक सोलर कंपनी से चोरी हुई बैटरी के बारे में पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे थे।

इसमें एक संदिग्ध ई रिक्शा नजर आया। जिसमें बैटरी रखकर ढोया गया था। सीसीटीवी फुटेज खंगाल ही रहे थे, इसी बीच वो ब्लू कलर का ई रिक्शा स्वामी नन्दन तिराह के पास दिख गया। उन्होंने पीछा कर के उसे साइड में खड़ा कराया। अभी अजय पूछ ही रहे थे, तब तक उसमें सवार दोनों ने उन्हें धमकी देनी शुरू कर दी। कहने लगे....रुक...रुक आदमी बुला रहे हैं और वहां ई रिक्शा छोड़कर भाग गए।

ई रिक्शा खींचकर सिन्हा लाइब्रेरी के पास लाया गया और जिस कंपनी से बैटरी चोरी हुई थी, इसके कर्मियों से पहचान कराई जा रही थी, इसी बीच एक महिला आई और पदाधिकारी, कंपनी के कर्मियों से उलझ गई। खूब भद्दी भद्दी गालियां देनी शुरू कर दी। लोग जमा हो गए। फिर संभालने के लिए थाने से कर्मियों को बुलाना पड़ा। लगभग दो महीने पहले इनकम टैक्स के पास एक हब सेंटर के स्टोर रूम में भी चोरी हुई थी। जिसमें इसी गिरोह की भूमिका सामने आई थी। हालांकि बाद में गिरोह के सदस्यों ने हब सेंटर के मालिक को सब सामान लौटा दिया था और माफी मांगी थी।

अनंत सिंह को जेल में नहीं मिलेंगी विशेष सुविधाएं

एजेंसी, पटना

मोकामा के बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह को दुलारचंद यादव हत्याकांड के आरोप में पटना के बेऊर जेल में विशेष सुरक्षा में रखा गया है। उन्हें शनिवार आधी रात गिरफ्तार किया गया था और रविवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। जेल में अनंत सिंह से मुलाकात पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। जेल के एक अधिकारी ने नाम न लिखने की शर्त पर बताया कि पूर्व विधायक अनंत सिंह जेल मैनुअल के अनुसार उच्च श्रेणी बंदी की श्रेणी में नहीं आते हैं। इसलिए उन्हें उच्च श्रेणी बंदी के तहत मिलने वाली विशेष सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। अधिकारी का कहना है कि अनंत सिंह को एक पूर्व विधायक के तौर पर सरकार के जेल मैनुअल के अनुसार ही सुविधाएं मिलेंगी, कोई विशेष सुविधा नहीं दी जाएगी।

2 सेवादार अनंत को मिले: जेल मैनुअल के अनुसार, रविवार रात उन्हें खाने में सब्जी-रोटी दी गई। सोमवार सुबह उनकी दिनचर्या की शुरुआत चाय से हुई। जेल सूत्रों के मुताबिक, उन्हें उच्च श्रेणी बंदी को मिलने वाले 2 सेवादार उपलब्ध कराए गए हैं, जो उनके लिए खाना बनाने, अन्य दैनिक कार्यों में मदद करेंगे। सुबह उनकी मेडिकल जांच भी की गई थी, जिसमें ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और पल्स सहित सभी सामान्य जांचें सामान्य पाई गईं। जेल में रहने के कारण उनके चुनाव परिणामों पर क्या असर पड़ेगा, यह चुनाव परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

अनंत सिंह के लिए ललन सिंह-सम्राट चौधरी का रोड शो

मोकामा में ओपन जिप्सी में केंद्रीय मंत्री और डिप्टी सीएम

एजेंसी, पटना

दुलारचंद यादव हत्याकांड में मोकामा से JDU कैंडिडेट अनंत सिंह बेऊर जेल में हैं। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने सोमवार को उनके प्रचार की कमान संभाली है। उनके साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी है। दोनों प्रमुख नेता ओपन जिप्सी में सवार होकर पंडारक से मोकामा तक 30KM लंबा रोड शो कर रहे हैं। ललन सिंह मोकामा में लोगों से मिल रहे हैं और बाहुबली को जिताने की अपील कर रहे हैं। वहीं पूरे मोकामा में बीएसएफ लगातार फ्लैग मार्च कर रही है। अनंत सिंह पर हत्या के आरोपों को लेकर ललन सिंह ने कहा कि, 'बिहार में मोदी-नीतीश की जय-जय है। बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। हम सब नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं।

अनंत का इस पूरे मामले में ये कोई घटना अपने आप नहीं हुआ। कई वीडियो आए। उसको देखने से पता लगता है कि ये पूरी साजिश रची गई थी। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस गहराई तक जांच करेगी। मेरी पुलिस से आग्रह है कि सब का चेहरा उजागर किया जाए। राहुल गांधी के तालाब में स्नान करने के सवाल पर कहा कि वे ऐसे ही करते रहते हैं।' इधर, चुनाव आयोग ने IPS अपराजित लौहान को पटना ग्रामीण SP की जिम्मेदारी सौंपी है। मोकामा में दुलारचंद यादव हत्याकांड के बाद विक्रम सिहाग को इस पद से हटाया गया था। कल रविवार को PM मोदी ने पटना में करीब 3 किमी लंबा रोड शो किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। दिनकर चौक से शुरू हुआ रोड शो उद्योग भवन तक जाकर खत्म हुआ। इस दौरान लोगों की भीड़ रही।

> ❐ पटना ग्रामीण एसपी बनाए गए अपराजित लौहान

एक नवंबर की देर रात हुई थी अनंत सिंह की गिरफ्तारी: 30 अक्टूबर को दुलारचंद यादव की मोकामा टाल में हत्या हुई थी। इस मामले में जदयू कैंडिडेट अनंत सिंह समेत 5 पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसी मामले में ही पटना के SSP ने बाढ़ जाकर अनंत सिंह को उनके आवास से गिरफ्तार किया था।

राजद ने अफजल अली को पार्टी से निकाला, गौरा बौराम से नामांकन वापस नहीं लेने पर कार्रवाई

एजेंसी, पटना

RJD ने दरभंगा में अफजल अली खां को पार्टी से निकाल दिया है। गौरा बौराम विधानसभा सीट से नामांकन वापस नहीं लेने पर पार्टी ने 6 साल के लिए बाहर कर दिया है। दरअसल, पहले इस सीट के लिए लालू यादव ने अफजल अली को पार्टी सिंबल दिया था। अफजल अली ने राजद उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल भी कर दिया था। इसी बीच लंबे मंथन के बाद नामांकन के आखिरी दिन गौरा बौराम सीट VIP के खाते में चली गई। VIP अध्यक्ष मुकेश सहनी ने जातीय वोटरों के आधार पर यह सीट अपने लिए सुरक्षित मानी। राजद उम्मीदवार के नामांकन के बावजूद सहनी ने जिद कर अपने लिए यह सीट राजद से मांग ली। लेकिन आखिरी वक्त में इरादा बदल दिया और चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। जिसके बाद अपने छोटे भाई संतोष सहनी यहां से VIP का उम्मीदवार बना दिया। तेजस्वी ने संतोष सहनी के लिए प्रचार भी किया। उन्होंने कहा था, संतोष सहनी ही महागठबंधन के प्रत्याशी हैं। पार्टी के कहने पर भी अफजल अली ने नॉमिनेशन वापस नहीं लिया। जिसके बाद आज सोमवार को पार्टी ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

साजिश के तहत फैलाया जा रहा झूठा पत्र: अफजल अली: इधर, मोहम्मद अफजल अली खां ने चिट्ठी के सामने आने के बाद अपने सोशल मीडिया पर लिखा- 'जो चिट्ठी सामने आई है, वो झूठी है और इसे साजिश के तहत फैलाया जा रहा है।' 'राजद उम्मीदवार की बढ़ती लोकप्रियता और जनता का जबरदस्त समर्थन देखकर विरोधियों की जमीन खिसक गई है। अब ये लोग चुनावी हार से डरकर फर्जी निष्कासन लेटर निकालकर भ्रम फैलाने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं।' 'जनता सब जानती है कि अफजल अली खां राजद के सच्चे सिपाही हैं, जनसेवा के प्रतीक हैं और जनता के दिल में आज भी उतनी ही मजबूती से बैठे हैं। हम विरोधियों की इस साजिश की निंदा करते हैं और प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे झूठ फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई हो।'

> ♦ अफजल बोले– निष्कासन की बात झूठी

तेजप्रताप यादव ने तेजस्वी को बताया नादान: तेजप्रताप यादव ने कहा है कि, तेजस्वी यादव महुआ गए थे। वहां का विधायक महुआ के लोगों पर लाठीचार्ज कराया। राघोपुर में मेरा कार्यक्रम है। राघोपुर में 2 जगह हेलिकॉप्टर उतारेंगे। रविवार को राहुल गांधी ने सभा के बाद मुजफ्फरपुर में मछली पकड़ने तालाब में कूदे थे। इस पर तेजप्रताप ने कहा कि, जिंदगी भर मछली ही पकड़ते रह जाएंगे और देश अंधकार में चला जाएगा। रोजगार की बात करें, यहां रोजगार मिल ही नहीं रहा। उन्हें रसोइया होना चाहिए था, नेतागिरी में क्यों आ गए।

12 फीट ऊंची आदियोगी की प्रतिमा लेने लगी आकार

एजेंसी, पटना

बिहार के पहले मॉडर्न श्मशान घाट में लगने वाली भगवान शिव की प्रतिमा अब आकार ले चुकी है और एक हफ्ते के अंदर इसे स्थापित कर दिया जाएगा। इस प्रतिमा को तमिलनाडु के आदियोगी के तर्ज पर तैयार किया जा रहा है। यह प्रतिमा 12 फीट ऊंची होगी, जिसे दो तालाबों के बीच में स्थापित किया जाएगा। इसे बनाने के लिए जालंधर से कारीगर आए हैं और इसे फाइबर मटेरियल से बनाया जा रहा है। इस प्रतिमा के आगे की तरफ रास्तों पर ग्रीन एरिया को डेवलप किया जाएगा। इस प्रतिमा में भगवान शिव की जटाओं से पानी निकलता दिखाई देगा और साथ ही आसपास लाइटिंग भी की जाएगी। पटना के बांस घाट में बनाया जा रहा मोक्ष द्वार। पटना स्मार्ट सिटी और बुडको की ओर से 89.40 करोड़ रुपए की लागत से इस श्मशान घाट का निर्माण किया जा रहा है। इस श्मशान घाट में दो द्वार भी बनाए जाएंगे, जिसमें से एक मोक्ष और दूसरा बैकुंठ द्वार होगा। दोनों द्वार में कांसे से बना ओम चिह्न भी स्थापित किया जाएगा। मोक्ष द्वार को धौलपुर पत्थर से तैयार किया जाएगा। यह द्वार करीब 46.58 फीट ऊंचा रहेगा।

> ❐ शमशान घाट में होगा स्थापित, जालंधर के कारीगर कर रहे तैयार, शिव की जटाओं से निकलेगा पानी

देव में एनडीए की सभा में शामिल हुए बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड के चेयरमैन प्रो. रणवीर नंदन, कहा

एनडीए का हर कार्यकर्ता लड़ रहा है विकास और स्थिरता की लड़ाई

> बिहार में फिर से जंगलराज नहीं आने देंगे : रणवीर

एजेंसी, देव (औरंगाबाद)

भगवान भास्कर की नगरी देव में सोमवार को एनडीए की चुनावी सभा आयोजित की गई, जिसमें बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड के चेयरमैन सह पूर्व विधान पार्षद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर रणवीर नंदन शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान औरंगाबाद विधानसभा से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी त्रिविक्रम नारायण सिंह के पक्ष में पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को संगठित होकर चुनावी मैदान में सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया। सभा से पहले प्रो. नंदन ने प्राचीन देव सूर्य मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की शांति, समृद्धि और एनडीए गठबंधन की विजय की कामना की। देव नगरी में उनकी उपस्थिति से श्रद्धालु और स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। मंदिर परिसर में उन्होंने कहा कि देव भूमि सूर्यदेव की कृपा से ऊर्जा और प्रकाश की प्रतीक है। जिस प्रकार सूर्य अंधकार को मिटाता है, उसी तरह एनडीए बिहार से भ्रष्टाचार और कुशासन के अंधकार को मिटाने का कार्य कर रहा है।

देव बाजार स्थित एक निजी रिसोर्ट में आयोजित इस सभा में भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल नारायण सिंह, भाजपा विधान पार्षद दिलीप सिंह, पूर्व विधायक रामेश्वर चौरसिया, जद(यू) के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, जद(यू) महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मंजरी सिंह, देव नगर पंचायत के अध्यक्ष पिंटू साहिल, मुन्ना सिंह, रामानुज सिंह, अमित गुप्ता, सतेंद्र चंद्रवंशी, विजय चंद्रवंशी, गुड्डू राय, लक्ष्मण गुप्ता,सुनील सहाय, लल्लू साव सहित सैंकड़ों नेता-कार्यकर्ता शामिल थे। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. रणवीर नंदन ने कहा कि एनडीए का हर कार्यकर्ता 'विकास बनाम विनाश' की लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार को नए विकास पथ पर अग्रसर किया है।

सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। आज बिहार की जनता जान चुकी है कि कौन उनके भविष्य की गारंटी है। एनडीए ने गांव से लेकर शहर तक विकास की गंगा बहाई है। हमारी सरकार ने गरीबों को पक्का मकान दिया, उज्ज्वला गैस दी, किसानों को सम्मान निधि दी और हर जिले में रोजगार के अवसर बढ़ाए। यह सब किसी वादे से नहीं, बल्कि संकल्प से सम्भव हुआ है। अपने भाषण के दौरान उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि इन पार्टियों ने बिहार को हमेशा पिछड़ेपन और भय के दौर में झोंक दिया।

कांग्रेस और राजद की राजनीति सिर्फ परिवार, भ्रष्टाचार और जातीय वैमनस्य पर टिकी रही है। जिस जंगलराज में लोग शाम ढलते ही घरों में कैद हो जाते थे, उस दौर की वापसी अब जनता कभी नहीं चाहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की राजनीति विकास, सुरक्षा और स्थिरता की राजनीति है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस चुनाव में जनता एक बार फिर विकास के पक्ष में मतदान करेगी। सभा में उपस्थित हजारों कार्यकर्ताओं से प्रो. नंदन ने कहा कि चुनाव किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि विचारधारा और नीति के संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने आह्वान किया कि भाजपा-जदयू के कार्यकर्ता मिलकर हर घर तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाएं। गरीबों के लिए मुफ्त राशन, किसान सम्मान निधि, हर घर जल योजना, उजाला और उज्ज्वला योजना जैसे कार्यों से जनता का जीवन बदला है। हमें इन उपलब्धियों को बताकर जन-जन तक पहुंचना है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का "विकसित भारत" का सपना बिहार के हर जिले से होकर गुजरता है और औरंगाबाद की जनता इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सभा के बाद प्रो. नंदन ने कायस्थ समाज के सदस्यों से भी मुलाकात की और समाज के लोगों से एनडीए उम्मीदवार त्रिविक्रम नारायण सिंह को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज की भूमिका हमेशा राष्ट्रनिर्माण में अग्रणी रही है, और आज भी जब बिहार स्थिरता की राह पर आगे बढ़ रहा है, तब हर वर्ग को साथ चलना होगा।

संक्षिप्त समाचार

स्वामी विवेकानंद स्कूल को मिली सीबीएसई से संबद्धता

बीएनएम @ जमुई/सिमुलतला। सिमुलतला स्थित स्वामी विवेकानंद आवासीय विद्यालय को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्धता प्राप्त हो गई है। यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए, बल्कि सिमुलतला क्षेत्र के निवासियों के लिए भी एक बड़ी सफलता है। सीबीएसई मान्यता की सूचना मिलते ही स्कूल में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए मिठाइयाँ वितरित कीं। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. यू.पी. गुप्ता और प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी।डॉ. गुप्ता ने कहा कि सीबीएसई संबद्धता से सिमुलतला अपनी उभरती शिक्षा केंद्र की रूपरेखा में एक लंबी छलांग लगा चुका है। विश्वासपूर्ण शब्दों में उन्होंने कहा, "मैं क्षेत्रवासियों को आश्वासन देता हूँ कि विद्यालय की शैक्षणिक प्रणाली को आधुनिक रूप दिया जाएगा। योग्य शिक्षकों की टीम के साथ पूरी व्यवस्था आधुनिक होगी। निश्चित रूप से इस क्रांतिकारी बदलाव का प्रभाव अभिभावकों पर आर्थिक बोझ के रूप में पड़ सकता है, लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूँ कि आपके बच्चों को एक उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा मिलेगी। बच्चे यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर अपनी क्षमता का लोहा मनवाते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का परचम लहराएँगे।"प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि सिमुलतला के स्वामी विवेकानंद आवासीय विद्यालय को सीबीएसई संबद्धता मिलना गर्व की बात है। यह अथक प्रयासों का परिणाम है। आसपास के किसी अन्य क्षेत्र में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विद्यालय में लगभग 1500 छात्र-छात्राएँ शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्कूल में कक्षा 1 से इंटरमीडिएट (+2) तक की पढ़ाई होगी। इस अवसर पर राजू यादव, रोहित कुमार सहित संस्थान के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बगहा में निकाली गयी मतदाता जागरूकता रैली

मतदाता जागरूकता रैली में शामिल लोग

बीएनएम @ बगहाः आगामी बिहार विधानसभा चुनाव–2025 के दूसरे चरण में 11 नवंबर को होने वाले मतदान को लेकर बगहा में मतदाता जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बगहा–2) के नेतृत्व में सोमवार को पहले बाइक और उसके बाद साइकिल जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करना और मतदान प्रतिशत में वृद्धि करना रहा।रैली प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC) बगहा–2 से प्रारंभ हुई, जो नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों तथा सड़कों से गुजरते हुए मंगलपुर स्थित बाबा भूतनाथ कॉलेज तक पहुंची। बाद में यह वापस प्रखंड संसाधन केंद्र लौटकर समाप्त हुई। रैली में दर्जनों शिक्षक, शिक्षा विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। प्रतिभागियों ने हेलमेट व सुरक्षा के साथ अनुशासन बनाए रखते हुए मतदान संबंधी संदेशों का प्रसार किया।रैली के दौरान पदाधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे मतदान के दिन बूथ पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। साथ ही संदेश दिया गया—"पहले मतदान, उसके बाद जलपान।" शिक्षकों ने लोगों से अपने परिजनों, पड़ोसियों और परिचितों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।इस मौके पर बीईओ बगहा–2 फुदन राम, अतिरिक्त बीईओ विजय यादव समेत कई शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने कहा कि हर वोट की कीमत है और प्रत्येक मत लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। प्रखंड शिक्षा विभाग ने बताया कि आगामी दिनों में भी जागरूकता गतिविधियाँ जारी रहेंगी, ताकि मतदान प्रतिशत को बढ़ावा मिल सके।

शत-प्रतिशत वोटिंग के लिए जीविका दीदियाँ कर रही जागरूक

बीएनएम @ जमुई, बिहार। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी के मार्गदर्शन में, जमुई जिले की हजारों जीविका दीदियाँ बिहार विधानसभा आम चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए एक अभूतपूर्व मतदाता जागरूकता अभियान चला रही हैं। महिला सशक्तिकरण की प्रतीक ये दीदियाँ, लोकतंत्र के इस महापर्व में जिले के मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने का जिम्मा पूरी शिद्दत और जोश के साथ संभाल चुकी हैं। स्वीप कोषांग के सहयोग से, जीविका की दीदियाँ जिले के दर्सों प्रखंडों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर रही हैं। जागरूकता के इस महाअभियान के तहत, जोशपूर्ण रैलियों के माध्यम से 'वोट देना है ज़रूरी' का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। साथ ही, रचनात्मक तरीकों से, खास तौर पर महिला मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए आकर्षक मेहँदी और रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ की लीडर दीदियाँ उन क्षेत्रों में घर-घर जाकर नागरिकों को वोट देने के लिए जागरूक कर रही हैं, जहाँ पिछले चुनावों में मतदान का प्रतिशत कम रहा था।जीविका डीपीएम संजय कुमार ने इस शानदार पहल की जानकारी देते हुए बताया कि जमुई जिले में कुल 19,522 स्वयं सहायता समूह (SHG) संचालित हैं। इनमें से अब तक 16 हज़ार से ज़्यादा समूहों की बैठकों में लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने के विषय पर चर्चा की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और संकुल संघ की बैठकों में लगातार यह चर्चा की जा रही है कि पिछले चुनाव की तुलना में जिले में मतदान का प्रतिशत कैसे बढ़ाया जाए। प्रतिदिन जिले के दर्सों प्रखंडों में ये सशक्त महिलाएं नागरिकों को बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए निर्धारित 11 नवम्बर को अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक ने लिया ईवीएम कमिशनिंग का जायजा

बीएनएम @ मोतिहारी

15- केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक पीबी नूह के द्वारा केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए बनाए गए डिस्पैच सेंटर सह बज्रगृह गवर्नमेंट हाई स्कूल केसरिया में ईवीएम कमीशनिंग के कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त पूर्वी चंपारण डॉ. प्रदीप कुमार भी उपस्थित थे। प्रेक्षक के द्वारा आज भी कमिशिनंग की पूरी जानकारी प्राप्त की गई एवं सभी कर्मियों से पूछताछ की गई। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त के द्वारा बताया गया कि आज कमिशिनंग का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। ईवीएम कमीशनिंग कार्य में 15- केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित अभ्यर्थी/निर्वाचन अभिकर्ता उपस्थित रहे थे। उन्होंने बताया कि 5% रैण्डम चयनित ईवीएम में 1000 मॉक पोल किया गया तथा वीवीपैट के पर्ची का मिलान किया गया। उक्त कार्य के समय भी केसरिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित अभ्यर्थी/निर्वाचन अभिकर्ता उपस्थित रहे। यहां से निकलने के बाद प्रेक्षक महोदय के द्वारा राजपुर स्टेटिक सर्विलांस टीम के द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिया गया। एसएसटी के पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी से सभी चीजों की जानकारी ली गई एवं जिला में स्वच्छ, निष्पक्ष चुनाव को लेकर सभी वाहनों जांच करने एवं रोको टोको अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

गोरखपुर के सांसद रवि किशन आज बलुआ आयेंगे

बीएनएम @ योगापट्टीः प्रखंड के बलुआ भवानिपुर पंचायत के वार्ड नंबर 5 के बलुआ फील्ड में मंगलवार को एनडीए की ओर से एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया है। यह सभा दोपहर करीब 12 बजे शुरू होगी। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार अभियान के तहत भाजपा के स्टार प्रचारक, गोरखपुर के सांसद और भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता रवि किशन एनडीए प्रत्याशी विनय बिहारी के समर्थन में प्रचार करेंगे जानकारी के अनुसार, रवि किशन मंगलवार को सुबह लगभग 11 बजे हवाई मार्ग से बलुआ फील्ड पहुंचेंगे। वहां वे मंच से जनता को संबोधित करेंगे और एनडीए प्रत्याशी विनय बिहारी के पक्ष में भारी संख्या में मतदान करने की अपील करेंगे।बलुआ फील्ड में मंच और पंडाल की सजावट अंतिम चरण में है। पूरे मैदान को एनडीए के झंडों, बैनरों और पोस्टरों से सजाया गया है। जगह-जगह पार्टी के नारे और प्रचार सामग्री लगाई गई है,

17- पिपरा प्रेक्षक द्वारा चेकपोस्ट निरीक्षण एवं गृहमंत्री अमित शाह के आगमन की तैयारी की हुई समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी

17–पिपरा विधानसभा क्षेत्र के प्रेक्षक किल्लू शिव कुमार नायडू द्वारा सोमवार को बाराघाट पुल, चकिया स्थित चेकपोस्ट का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान उन्होंने चेकपोस्ट की कार्यप्रणाली, वाहनों की जांच व्यवस्था तथा निर्वाचन आयोग (ईसीआइ) के दिशा-निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की। श्री नायडू ने चेकपोस्ट पर तैनात अधिकारियों को सतर्कता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया तथा अवैध रूप से धन, शराब या अन्य सामग्रियों के परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने को कहा। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के "चकिया" आगमन की तैयारियों की भी समीक्षा गांधी मैदान, चकिया में की। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस एवं निर्वाचन से संबंधित अधिकारियों से संवाद कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने एवं समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। प्रेक्षक श्री नायडू ने जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की सराहना करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने हेतु पूर्ण सतर्कता बरतने पर बल दिया।

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर जिला के सभी 4095 मतदान केंद्रों पर कराई जाएगी वेब कास्टिंग

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देश के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया है पूर्वी चंपारण जिला के सभी 4095 मतदान केंद्र पर मतदान की तिथि 11 नवंबर को मतदान प्रक्रिया की पूर्ण पारदर्शिता के लिए वेब कास्टिंग कराई जाएगी। वेब कास्टिंग को लेकर के जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रविकेश कुमार एवं संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा जिला के कुल 457 टेक्निकल सुपरवाइजर को आज मोतिहारी स्थित एमएस कॉलेज के सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। वेब कास्टिंग के लिए सभी मतदान केंद्र पर सीसीटीवी कैमरा का इंस्टालेशन किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान डीआईओ के द्वारा सभी तकनीकी सुपरवाइजर्स को वेब-कास्टिंग प्रणाली की निर्बाध प्रसारण सुनिश्चित करने, सीसीटीवी कैमरे के इंस्टॉलेशन की गुणवत्ता की जांच करने तथा मतदान के दिन रियल टाइम मॉनिटरिंग हेतु समुचित व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया है कि जिला में मतदान की तिथि 11 नवंबर को मतदान प्रक्रिया की सीसीटीवी एवं वेब कास्टिंग के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य निर्वाचन को पूर्ण पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है।

रक्सौल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक ने ईवीएम कमिशिनंग का लिया जायजा एवं विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर एएमएफ की ली जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

10- रक्सौल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक मयंक अग्रवाल के द्वारा रक्सौल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए बनाए गए डिस्पैच सेंटर एसएसबी कैंप हवाई अड्डा मैदान, रक्सौल में चल रहे ईवीएम कमीशनिंग का जायजा लिया गया। उनके द्वारा इस अवसर पर कमिशिनंग कार्य में लगे हुए कर्मियों/पदाधिकारी से सभी चीजों की जानकारी प्राप्त की गई। कमीशनिंग के दौरान रक्सौल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर सह एसडीएम मनीष कुमार, सहायक निर्वाची पदाधिकारी के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। यहां से निकलकर प्रेक्षक रक्सौल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 10-11 उत्क्रमित मध्य विद्यालय भैरो भगत सिसवा, मतदान केंद्र संख्या 17 - 18 उत्क्रमित मध्य विद्यालय भारत माही तथा मतदान केंद्र संख्या 23- 24 मध्य विद्यालय हरदिया का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां पर उपलब्ध सभी न्यूनतम आवश्यकताओं की जांच की गई। प्रेक्षक महोदय के द्वारा वहां स्थानीय जनता से मिलकर मतदान के विषय में जानकारी प्राप्त की गई एवं सभी मतदाताओं से आगामी 11 नवंबर को बिना प्रलोभन के, बिना भय के निष्पक्ष रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई। यहां से निकलकर प्रेक्षक भेलाही चौक स्थित एसएसटी चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। यहां पर कार्यरत पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी से सभी जरूरी जानकारी प्राप्त की गई एवं निर्वाचन की महत्ता को देखते हुए स्वच्छ एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने को लेकर सघन रूप से सभी वाहनों की छानबीन करने तथा रोको-टोको को गति देने का निर्देश दिया गया।

एपी पाठक को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

» उत्कृष्ट जनसेवा कार्यों और प्रशासनिक क्षेत्र में है उल्लेखनीय योगदान

बीएनएम @ बगहा

प्रेसवार्ता करते एपी पाठक

वरिष्ठ प्रशासक एवं समाजसेवी ए.पी. पाठक को उनके उत्कृष्ट जनसेवा कार्यों और प्रशासनिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिकागो ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा "Doctorate in Public Administration and Societal Leadership" की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में लगभग 38 वर्षों की उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवाओं और समाजसेवा में अविस्मरणीय योगदान के लिए यह सम्मान उन्हें प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि न केवल ए.पी. पाठक के लिए, बल्कि चंपारण के हजारों युवाओं और लाखों लोगों के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण है , क्योंकि चंपारण के एक छोटे से गाँव से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर सेवा और समाजसेवा में पहचान बनाना अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है। अपने चार दशक लंबे प्रशासनिक कार्यकाल में ए.पी. पाठक ने कई मंत्रालयों और विभागों में कार्य करते हुए पारदर्शी, सुसंगठित और मानव-केंद्रित प्रशासन की मिसाल पेश की। उन्होंने देश के विकास कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा अपने गृहक्षेत्र चंपारण के इन्फ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक विकास को नई दिशा दी। ए.पी. पाठक के अपने कर्म, समर्पण और नेतृत्व का प्रतिफल है ये शिकागो ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि।

ईवीएम डिस्पैच सेंटर का डीएम -एसपी ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ बगहा

निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने रख रखाव एवं सुरक्षा और डिस्पैच की ली जानकारी

ईवीएम डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण करते डीएम व एसपी

जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार एवं बगहा के पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने शुक्रवार को पटखौली थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलपुर स्थित बाबा भूतनाथ महाविद्यालय में बनाए गए ईवीएम डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस केंद्र पर ईवीएम तथा वीवीपैट मशीनों को सुरक्षित रखा गया है। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने मशीनों के रख-रखाव, सुरक्षा बंदोबस्त एवं डिस्पैच की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी ली। जिलाधिकारी ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि केंद्र में रखी सभी मशीनों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए तथा किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि डिस्पैच प्रक्रिया के दौरान निर्धारित समय-सारणी का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मशीनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्थिति में सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने परिसर में तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि 24 घंटे निगरानी रखने का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि परिसर में प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों की जांच की जाएगी और अनुमति पत्र के बिना प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। एसपी ने सुरक्षा में लगे पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को सतर्क रहने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव, बगहा दो प्रखंड विकास पदाधिकारी विडु राम तथा अंचल अधिकारी वसीम अकरम भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद सभी संबंधित अधिकारियों को मशीनों की सुरक्षा, रिकॉर्ड रख-रखाव और डिस्पैच प्रक्रिया में सावधानी बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि चुनाव आयोग के निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाएगा और मतदान प्रक्रिया को सुचारू एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराया जाएगा।

नौतन में पहुंचे असम मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा, यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ की विशाल जनसभा

बीएनएम @ मोतिहारी

नौतन श्री राम खेल मैदान में चुनावी माहौल के बीच शनिवार को एनडीए की ओर से एक विशाल जनसभा आयोजित की गई। इस सभा में पहली बार असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत विश्व शर्मा पहुंचे। उनके साथ उत्तर प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे यह जनसभा नौतन विधानसभा के एनडीए प्रत्याशी नारायण साह के समर्थन में आयोजित की गई थी। मंच पर सांसद डॉ. संजय जायसवाल सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे सभा को संबोधित करते हुए हेमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार बनने से विकास की नई गाथा लिखी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और बिहार भी उस प्रगति का हिस्सा बनेगा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि एनडीए की सरकार ही गरीबों, किसानों और नौजवानों के हित की सच्ची सरकार है। उन्होंने नौतन की जनता से नारायण साह को भारी मतों से विजय दिलाने की अपील की नौतन श्री राम खेल मैदान में उमड़ी भीड़ ने नेताओं का जोरदार स्वागत किया। मैदान में लोगों का उत्साह देखते ही बनता था।

संक्षिप्त समाचार

झाझा विधानसभाः जन सुराज ने बदला समीकरण-एनडीए को लग सकता है झटका

बीएनएम @ जमुई/झाझाः झाझा विधानसभा क्षेत्र में इस बार का चुनाव बेहद रोचक होता नजर आ रहा है। अब तक जिस सीट पर मुकाबला एकतरफा माना जा रहा था, वहीं जन सुराज के उम्मीदवार एंडी मिश्रा के मैदान में उतरने से राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। राजनीतिक जानकारों की मानें तो जन सुराज ने इस चुनाव में तीसरे मोर्चे के रूप में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे पारंपरिक वोट बैंक में सेंधमारी की संभावना बढ़ गई है।क्षेत्र के राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि एंडी मिश्रा के उतरने से सबसे ज्यादा नुकसान एनडीए खेमे को हो सकता है। मिश्रा का जनाधार ग्रामीण क्षेत्रों और शिक्षित वर्ग के बीच तेजी से बढ़ रहा है। वह लगातार जनता के बीच जाकर स्थानीय मुद्दों—जैसे सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार—को लेकर अपनी बात रख रहे हैं। यही कारण है कि एनडीए के वोटरों में अब हलचल दिखाई दे रही है।सूत्रों के अनुसार जन सुराज के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर मतदाताओं से संपर्क बना रहे हैं और विकल्प की राजनीति का संदेश दे रहे हैं। इसका असर यह है कि कई परंपरागत समर्थक अब खुलकर जन सुराज के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। दूसरी ओर, महागठबंधन भी इस स्थिति पर बारीकी से नजर बनाए हुए है, क्योंकि जन सुराज का बढ़ता प्रभाव चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकता है। झाझा की जनता इस बार बदलाव के मूड में दिखाई दे रही है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि झाझा विधानसभा में मुकाबला अब सीधा नहीं, बल्कि त्रिकोणीय हो चुका है—जहां हर पार्टी को अपनी रणनीति नए सिरे से तय करनी होगी।

झाझा अस्पताल से हटाया गया क्यूआर कोड स्कैनर

बीएनएम @ जमुई/झाझाः झाझा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के लिए दवा की स्टॉक, मुहैया वाली दवा की पारदर्शिता को लेकर राज्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से क्यू आर कोड स्कैनर का बोर्ड लगाया गया था लेकिन आचार संहिता लागू होने के कारण बोर्ड को हटा दिया गया जिससे कई मरीज या उसके परिजन दवा की पूर्ण जानकारी हासिल नही कर पा रहे हैं। दरअसल अस्पताल को हाईटैक करते हुए अन्य संसाधन की सुविधा मरीजों के लिए उपलब्ध करवाया गया था जिसमे क्यूआर कोड स्कैनर भी लगाया गया था। जिससे मरीज को अगर डॉक्टर द्वारा दवा लिखे जाने के बाद दवा की कमी है कि नही इसके लिए मरीज स्कैनर में स्कैन करके अस्पताल में दवा की पूरी डिटेल हासिल कर लेते थे। लेकिन चुनाव को लेकर इन दिनों यह सुविधा मरीजों को नही मिल पा रही है। अस्पताल के स्वास्थ्य प्रबन्धक सुभाषचंद्र ने बताया कि स्कैनर पर सीएम नीतीश कुमार, मंत्री मंगल पांडेय की तस्वीर लगी थी और आचार संहिता लागू होने के बाद उसे नगर परिषद द्वारा अस्पताल से हटवाया गया।

तीन मवेशी चोर को पुलिस ने भेजा न्यायालय

बीएनएम @रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के पूर्वी पंचायत अंतर्गत पचंबा गांव में रविवार को ग्रामीणों ने 3 मवेशी चोर को पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार तीनों मवेशी चोर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि रविवार को ग्रामीणों के द्वारा तीनों मवेशी चोरों को पड़कर रजौली थाने को सुपुर्द किया गया था। गिरफ्तार किए गए तीनों मवेशी चोर की पहचान अकबरपुर थाना क्षेत्र के रजहत गांव निवासी मुस्तफा कुरैशी के बेटे मो खुर्शीद कुरैशी, अलाउद्दीन कुरैशी के बेटे आरबी कुरैशी एवं रजौली थाना क्षेत्र के कुंडला मोहल्ला गांव निवासी अयूब अंसारी के बेटे मो जावेद इकबाल के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मो खुर्शीद लगभग 5 महीने पूर्व मवेशी चोरी के मामले में पहले भी गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। इस बार फिर से मवेशी चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में स्वास्थ्य जांच कराने के बाद तीनों मवेशी चोर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि रजौली क्षेत्र में इन्हीं लोगों के द्वारा दर्जनों मवेशी की चोरी किया जाता है। सस्ते दामों में अकबरपुर समेत दूसरे जगहों पर मवेशी की बिक्री कर दिया जाता है।

मतदान केंद्रों पर सुविधाओं की ली गई जानकारी

बीएनएम @ पकरीबरावां। सोमवार को प्रखण्ड संसाधन केंद्र पकरीबरावां में मतदान केंद्रों वाले विद्यालय के प्रधानों की बैठक की गई। प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी राहुल रंजन ने बैठक में मतदान केंद्र वाले विद्यालयों के प्रधानों से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मतदान केंद्रों में पेयजल, बिजली, रैम्प, शौचालय, व्हील चेयर, बिजलो सॉकेट आदि की उपलब्धता की जानकारी ली गई। एक प्रपत्र में इन सुविधाओं को लिखकर देने को कहा गया। इस अवसर पर उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय अंजुनार के प्रधानाध्यापक डॉ. राजेश कुमार प्रभाकर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कचना के प्रधानाध्यापक संजय कुमार सुमन, मध्य विद्यालय पकरीबरावां के प्रधानाध्यापक डॉ. गुलाम दस्तगीर खान, प्रधानाध्यापक अजय कुमार, विनय कुमार, कृपाशंकर पांडेय, फरहत जहां, कमलेश कुमार, मिलन कुमार, जयमिला कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

जमुई में सड़क पर मिले दो युवकों के शव, हत्या की आशंका से मचा हड़कंप

बीएनएम @ जमुई। रविवार की रात जमुई जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जमुई-लखीसराय मुख्य मार्ग पर मदन टोला के पास सड़क किनारे दो युवकों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मृतकों की पहचान लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के विक्रमपुर सिपहिया गांव निवासी नितिश कुमार महतो और विनोद कुमार महतो के रूप में हुई है। घायल युवक केदारनाथ की हालत नाजुक बताई जा रही है।घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए जमुई–लक्ष्मीपुर मार्ग को जाम कर दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि दोनों युवक किसी काम से रविवार शाम बाइक से निकले थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे। देर रात सड़क किनारे दोनों का शव और घायल अवस्था में एक साथी मिलने से इलाके में अफरातफरी मच गई। परिजनों ने कहा कि मृतकों की बाइक बिल्कुल सुरक्षित पाई गई, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि यह कोई साधारण सड़क हादसा नहीं बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या है।घटना की जानकारी मिलते ही अंचलाधिकारी ललिता कुमारी और थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझाकर जाम समाप्त करवाया और बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है।

जमुई में ईवीएम-वीवीपैट का द्वितीय सप्लीमेंट्री रैंडमाइजेशन संपन्न

बीएनएम @ जमुई। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए, सोमवार को ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का द्वितीय सप्लीमेंट्री रैंडमाइजेशन पूरा हो गया। यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी की देखरेख में समाहरणालय जमुई में निष्पादित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य मशीनों के आवंटन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करना था।निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, यह रैंडमाइजेशन ईवीएम मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया गया। इस चरण में, प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) में सही पाई गई मशीनों को जिले की चार विधानसभा क्षेत्रों—सिकंदरा (सु०), जमुई, झाझा, और चकाई—के लिए आवंटित किया गया।इस पूरी प्रक्रिया के दौरान, लोकतंत्र के प्रहरी माने जाने वाले राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इनमें आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, इंडियन नेशनल कांग्रेस, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल, और विभिन्न कम्युनिस्ट दलों सहित अन्य क्षेत्रीय पार्टियों के प्रतिनिधि शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता को और मजबूत किया।रैंडमाइजेशन के तत्काल बाद, विधानसभावार आवंटित ईवीएम और वीवीपैट की सूची को जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने उपस्थित राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों से हस्ताक्षरित कराया।

बिहार चुनावः कांग्रेस विधायक के आवास पर देर रात पुलिस की छापेमारी से सियासी तूफ़ान

» गरमाया करगहर का चुनावी माहौल

स्थानीय कार्यकर्ता प्रशासनिक दादागिरी करार देते हुए विधायक के समर्थन में प्रदर्शन भी शुरू कर दिया है

बीएनएम @ रोहतास

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते संतोष कुमार मिश्रा

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच रोहतास जिले की करगहर सीट से कांग्रेस के मौजूदा विधायक और प्रत्याशी संतोष कुमार मिश्रा के आवास पर शनिवार देर रात पुलिस की औचक छापेमारी से राज्य का सियासी पारा अचानक चढ़ गया है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब चुनाव प्रचार अपने चरम पर है और इसने स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को झकझोर कर रख दिया है।

पुलिसिया कार्रवाई पर विधायक का गंभीर आरोप- विधायक संतोष कुमार मिश्रा ने इस कार्रवाई को सत्ता प्रायोजित उत्पीड़न करार दिया है। उन्होंने प्रेस वार्ता कर रोहतास पुलिस के रवैये पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और आरोप लगाया कि यह उन्हें और उनके समर्थकों को चुनाव से ठीक पहले परेशान करने की एक सोची-समझी रणनीति है।विधायक मिश्रा ने बताया: "मैं देर रात चुनाव प्रचार से थका-हारा लौटा था और भोजन कर रहा था। तभी पुलिस की एक टीम बिना किसी पूर्व सूचना या वारंट के मेरे घर में घुस आई। उन्होंने न केवल घर के मुख्य हिस्सों की, बल्कि बेडरूम समेत सभी निजी कमरों की भी तलाशी ली। यह जानबूझकर मेरे और मेरे परिवार को डराने और आतंकित करने की कोशिश थी।"उन्होंने दावा किया कि घंटों चली तलाशी के बावजूद पुलिस को उनके आवास से कोई भी आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। विधायक मिश्रा ने सीधे तौर पर यह आरोप लगाया कि यह कार्रवाई सरकार के इशारे पर की गई है ताकि उन्हें चुनाव प्रचार से रोका जा सके और करगहर की जनता पर अनुचित दबाव बनाया जा सके।

पुलिस की सफाईः 'नियमित जांच का हिस्सा'- मामले पर बढ़ते राजनीतिक दबाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने आनन-फानन में सफाई जारी की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह तलाशी एक हालिया फायरिंग मामले की जांच का हिस्सा थी। सासाराम में हुई एक घटना से जुड़े तकनीकी साक्ष्यों (Technical Evidence) के आधार पर पटवाडीह इलाके में एक बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इस ऑपरेशन के दायरे में विधायक संतोष मिश्रा का घर भी आ गया। पूरी कार्रवाई कानूनी नियमों और प्रोटोकॉल के तहत की गई थी। तलाशी के दौरान कोई भी आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली।"पुलिस ने राजनीतिक दबाव के आरोपों को ख़ारिज करते हुए इसे नियमित न्यायिक प्रक्रिया बताया है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में श्रृंगार किट का वितरण

सिरदला में किट देते चिकित्सक

बीएनएम @ सिरदला नवादाः सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में बढ़ती जनसंख्या पर रोक लगाने और 'हम दो हमारे दो' के स्लोगन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्रृंगार किट का वितरण किया गया।किट वितरण में चिकित्सा प्रभारी डॉ. राजीव कुमार, हेल्थ मैनेजर मनोज कुमार, प्रभारी बीसीएम राजमनी कुमार, और मॉनिटर अशोक कुमार शामिल रहे।'एक नई पहल' के तहत बढ़ती जनसंख्या पर रोक लगाना और 'हम दो हमारे दो' के स्लोगन को सही ठहराना।ऐसी माताएँ जिनके मात्र दो बच्चे (पुत्र या पुत्री) हैं और उन्होंने बंध्याकरण (नसबंदी) करवा लिया है। यह किट आशा कार्यकर्ता की पहचान के आधार पर अस्पताल के माध्यम से दी गई।आशा कार्यकर्ता के लिए लाभः प्रभारी ने बताया कि यदि किसी आशा कार्यकर्ता के भी मात्र दो बच्चे हैं और उन्होंने बंध्याकरण करवा लिया है, तो उन्हें भी इस किट का लाभ मिलेगा।चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि अस्पताल को कुल तीन सौ (300) किट प्राप्त हुई हैं।

बाइक की टक्कर से युवक घायल, रेफर

बीएनएम @ रजौली

रजौली में इलाजरत घायल

सोमवार को रजौली थाना क्षेत्र के दुलरपुरा मोड़ के पास बस से उतरने के क्रम में एक युवक को तेज रफ्तार से आ रही एक बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर मारने के बाद बस से उतर रहे व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना को देखकर दर्जनों ग्रामीण दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों के सहयोग से गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में भर्ती कराया गया। जहां अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ अभिप्राय चौधरी ने गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति का प्राथमिक इलाज किया। चिकित्सक ने बताया कि घायल युवक की पहचान भोला कुरहा गांव निवासी देवनंदन चौधरी के बेटे राजेश कुमार के रूप में की गई है। तेज रफ्तार बाइक सवार की टक्कर मारने के बाद इसके शरीर पर कई जगह चोट लगी है। लेकिन सिर और पैर में गंभीर चोट लगी है। इसके वजह से इसे सदर अस्पताल नवादा रेफर किया जा रहा है। घायल हुए व्यक्ति की सूचना मामी को दी गई। बाजार में सामान खरीद रही मामी अपने भगना को देखने के लिए अनुमंडलीय अस्पताल रजौली पहुंची। अस्पताल पहुंचने के बाद घायल पड़े भगना को देखने के बाद मामी जोर-जोर रोने लगी। मामी ने अपने परिजनों को घायल युवक के बारे में इसकी सूचना दी।

वार्षिकोत्सव की तैयारी पूरी, कार्तिक पूर्णिमा पर सजेगा भक्तिमय माहौल

महेश्वरी में उमड़े श्रद्धा के रंग, युवाओं ने निकाली बाबा लक्ष्मीनारायण की आमंत्रण यात्रा

बीएनएम @जमुई/सोनो

जमुई में आमंत्रण यात्रा में भाग लेते उत्साही युवा

जिले के सोनो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महेश्वरी में बुधवार को होने वाले बाबा लक्ष्मीनारायण वार्षिकोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।सोमवार को श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने के उद्देश्य से बड़ी संख्या में युवाओं ने मोटरसाइकिल से आमंत्रण यात्रा निकाली। मुखिया अवधेश सिंह ने पूजा-अर्चना कर यात्रा को रवाना किया। इस मौके पर मंदिर के पुजारी महेश पांडेय, चंद्रकांत पांडेय, प्रदीप पांडेय, संतोष पांडेय आदि ने वैदिक मंत्रोच्चार किया।यात्रा में शामिल युवाओं ने महेश्वरी से चरकापत्थर, अगहरा, झुंडो, मांगोबन्दर, धौबघट, गिद्धौर, झाझा, सोनो और चुरहेत होते हुए लोगों को बाबा के वार्षिकोत्सव में आने का न्यौता दिया। सभी बाइक सवारों ने बाबा लक्ष्मीनारायण के जयकारे लगाए और पीले झंडों से सजे वाहन आकर्षण का केंद्र बने रहे। यात्रा के दौरान युवाओं ने अनुशासन और शालीनता का परिचय दिया ताकि आमजन को कोई असुविधा न हो।वार्षिकोत्सव को लेकर मंदिर और गांव को साज-सज्जा से निखारा गया है। हर ओर साफ-सफाई और सजावट का विशेष ध्यान दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कतारबद्ध पूजा व्यवस्था, पंडाल और वालंटियर्स की टीम तैनात की गई है। बुधवार को ध्वजारोहण के साथ बाबा लक्ष्मीनारायण की पूजा विधिवत रूप से प्रारंभ होगी।

राजगीर सफारी में 'प्रायोरिटी पैकेज' लॉन्चः एक ही टिकट में जू और नेचर सफारी का रोमांच

» 2000 में 'प्रायोरिटी पैकेज', 12 से ज्यादा एडवेंचर का आनंद

समय की बचत के साथ पर्यटकों को मिलेगा बेहतर और यादगार अनुभव

बीएनएम @ बिहारशरीफ

जू सफारी राजगीर

बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थल राजगीर में अब पर्यटकों के लिए एक नई सुविधा शुरू की गई है। सफारी प्रशासन की ओर से शुरू किया गया 'प्रायोरिटी पैकेज' पर्यटकों को एक ही टिकट पर जू सफारी और नेचर सफारी दोनों का आनंद लेने की सुविधा प्रदान कर रहा है। इस पहल से न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि यात्रा का अनुभव भी अधिक सुव्यवस्थित और आनंददायक बन गया है।

अब नहीं लगानी पड़ेगी अलग-अलग कतारें- अब तक राजगीर आने वाले सैलानियों को विभिन्न गतिविधियों के लिए अलग-अलग टिकट लेना पड़ता था और लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता था। इस नई व्यवस्था से यह परेशानी पूरी तरह खत्म हो गई है। अब पर्यटक एक ही टिकट से दोनों सफारियों के सभी प्रमुख आकर्षणों का आनंद ले सकते हैं।

12 से अधिक रोमांचक गतिविधियां शामिल- प्रायोरिटी पैकेज' में कुल 12 से अधिक एडवेंचर और मनोरंजन गतिविधियां शामिल की गई हैं।

जू सफारी में: 180-डिग्री थिएटर, एवियरी और सफारी भ्रमण

नेचर सफारी में: ग्लास ब्रिज, सस्पेंशन ब्रिज, जिप लाइन, जिप बाइकिंग, राइफल शूटिंग, आर्चरी और वॉल क्लाइम्बिंग जैसी रोमांचक गतिविधियां। इसके अलावा पूरे परिसर में घूमने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल की सुविधा भी इस पैकेज में शामिल है, जिससे सफर और भी आरामदायक बन जाता है।

किफायती दरें और सीमित टिकट- इस विशेष कॉम्बो पैकेज की कीमत वयस्कों के लिए 2000 और 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए 1000 रखी गई है। इसे सीमित रखा गया है ताकि प्रत्येक पर्यटक को गुणवत्तापूर्ण अनुभव मिल सके।प्रति दिन केवल दो स्लॉट (सुबह 10 बजे और दोपहर 12 बजे) में यह सुविधा उपलब्ध है, और प्रत्येक स्लॉट में 20 टिकट ही जारी किए जाते हैं — यानी एक दिन में कुल 40 पर्यटक ही इसका लाभ उठा सकते हैं।

पानी में डूबने से विकलांग व्यक्ति की मौत

बीएनएम @ बिहारशरीफ

बेन थाना क्षेत्र के वासबन विगहा गांव में सोमवार की सुबह पानी में डूबने से एक विकलांग व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान वासबन विगहा निवासी गोपाल शरण के 50 वर्षीय पुत्र साधु शरण प्रसाद के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, साधु शरण प्रसाद रविवार की रात करीब साढ़े तीन बजे शौच के लिए घर से निकले थे। देर तक वापस नहीं आने पर सुबह लगभग छह बजे ग्रामीणों ने उनकी खोजबीन शुरू की। खोज के दौरान पास के तालाब में उनका शव मिला। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातम छा गया। सूचना मिलने पर बेन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी रविराज कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पानी भरे तालाब में डूबने से हुई मौत का प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

6 नवंबर को ही बिहार की जनता महागठबंधन का सूपड़ा साफ कर देगी : नित्यानंद रॉय

तेजस्वी के दावे पर नित्यानंद राय और सम्राट चौधरी का पलटवार

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है और सियासी बयानबाजी लगातार तेज हो रही है। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने रविवार को दावा किया था कि 14 नवंबर को उनकी सरकार शपथ लेगी। इस बयान पर एनडीए नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पटना में मीडिया से बातचीत में कहा कि 6 नवंबर को ही बिहार की जनता महागठबंधन का सूपड़ा साफ कर देगी। उन्होंने कहा, "तेजस्वी यादव शपथ क्या लेंगे? पिछली बार 2020 में भी दो दिनों के लिए सपना देखा था। उस वक्त उनके कार्यकर्ताओं ने जंगलराज की झलक दिखा दी थी। बिहार अब कभी उस दौर में नहीं लौटेगा।"वहीं, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी तेजस्वी और लालू परिवार पर तंज कसा। उन्होंने कहा, "लालू परिवार को टिन का चश्मा हटा लेना चाहिए। बिहार में 13 इथेनॉल फैक्ट्रियाँ लगी हैं, सबसे ज़्यादा बॉटलिंग प्लांट हैं, लेकिन वे विकास देखना ही नहीं चाहते।"सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि लोकतंत्र में जनता ही मालिक है, किसी परिवार की विरासत नहीं चलती। "अब जनता तय करेगी कि कौन शपथ लेगा। राजतंत्र नहीं, लोकतंत्र चलेगा |

हर घर नौकरी, महिलाओं के सम्मान और बिहार के विकास को नया आयाम देंगे तेजस्वी –मनोज झा

बीएनएम @ पटना

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते सांसद मनोज झा

राजद के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद प्रो. मनोज कुमार झा ने कहा है कि बिहार में इस बार का चुनाव बदलाव का चुनाव है। पटना स्थित प्रदेश कार्यालय के कर्पूरी सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि जनता अब टूटी-फूटी ट्रेनों और सौतेलेपन की राजनीति से तंग आ चुकी है। बिहार तेजस्वी यादव के विजन पर भरोसा कर रहा है, जो हर घर नौकरी, महिलाओं के सम्मान और पूंजी निवेश से राज्य को नई दिशा देना चाहते हैं।प्रो. झा ने कहा कि तेजस्वी यादव की नीति रोजगार सृजन, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और सामाजिक न्याय को मजबूत करने की है। उन्होंने दावा किया कि 14 नवंबर के बाद संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मियों को नियमित किया जाएगा। महिलाओं को सालाना 30 हजार रुपये देने और उद्यमिता को बढ़ावा देने की योजना से उनका जीवन बदलेगा।उन्होंने कहा कि तेजस्वी की राजनीति संवाद और समावेशन की है, जबकि एनडीए सरकार ने बिहार को विकास से दूर रखा है। माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के जरिए महिलाओं को डराया जा रहा है और सामाजिक सुरक्षा का ढांचा कमजोर हो गया है।प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिहार को श्रमिक राज्य बना दिया गया है, जबकि तेजस्वी का लक्ष्य इसे उद्योग और शिक्षा का केंद्र बनाना है।उन्होंने कहा, "अब लोग तय कर चुके हैं – नौकरी का मतलब तेजस्वी, विकास का मतलब तेजस्वी, और तेजस्वी का मतलब बिहार का भविष्य।

संपादकीय

गहराई में जाएं

गुरू के पास तीन शिष्य आए, बोले, गुरूदेव! हम साधना करना चाहते हैं। कोई साधना का सूत्र बताएं। गुरू ने सोचा, साधना का सूत्र बताने से पहले परीक्षा कर ली जाए। गुरू ने तीनों से एक प्रश्न पूछा, आंख और कान में कितना अंतर है। पहला व्यक्ति बोला, चार अंगुल का। दूसरे ने कहा, कान से आंख ज्यादा काम आती है। आंखों देखी बात बहुत स्पष्ट होती है। आंखों देखी और कानों सुनी बात में बहुत अंतर होता है। तीसरे का जवाब था, आंख से हम देख सकते हैं, किन्तु परमार्थ की बात कान से ही सुन सकते हैं।

गुरू ने पहले व्यक्ति से कहा, तुम अभी व्यापार करो। तुम्हारा नाप-जोख में रस है। तुम साधना के अधिकारी नहीं हो। दूसरे व्यक्ति से कहा, तुम अभी न्याय का काम करो। लोगों के झगड़े सुलझाओ। आंख द्वारा देखे गए प्रमाण ज्यादा सच होते हैं। तीसरे व्यक्ति से कहा, तुम साधना के योग्य हो। मैं तुम्हें आत्मिक ज्ञान दूंगा, क्योंकि तुम परमार्थ की बात में रस लेते हो।

यही कान, यही आंख सबके पास है। यदि आंख सच्चाई को देखने लग जाए, कान परमार्थ की बात को सुनने लग जाए तो नई बातें हमें प्राप्त हो सकती हैं। इसके लिए हमें गहराई में जाना होगा। सतह पर रहने से काम नहीं चलेगा। यदि हम अध्यात्म चिकित्सा या भाव चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग प्रस्तुत करें तो अध्यात्म की उपयोगिता बढ़ेगी, यह विश्वास प्रबल होता है। यह भौतिकता का नहीं, अध्यात्म का भी एक साम्राज्य है और उसके बिना मनुष्य सुख और शांति का जीवन जी नहीं सकता।

शाकाहार का प्रयोग भारत-वर्ष की संस्कृति में महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण अध्याय

कांतिलाल मांडोत

मांसाहार मानव प्रकृति से सर्वथा विरूद्ध है। वह किसी भी अवस्था में मानव के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता । मांस-भक्षी पशुओं की शरीर रचना से मनुष्य के शरीर की रचना नितान्त भिन्न प्रकार की है। विशेषज्ञों के मतानुसार मनुष्य के उदर की रचना इस प्रकार की है कि वह मांस को पचाने के योग्य नहीं है। अतएव मांस खाने की जो प्रवृत्ति मानव में देखी जाती है, वह उसका नैगिक रूप नहीं, किंतु विकृति-जन्य रूप है।कभी कभी तो मानव को परिस्थितियों से विवश होकर भी मांस खाना पड़ता है। मांसाहार का अन्य कारणों के साथ-साथ एक मुख्य प्रयोजन यह भी रहता है कि ठंडे मुल्कों में, पहाड़ों और जंगली प्रदेशों में जो बहुसंख्यक मानव समाज रहता है, उसे अन्न उपलब्ध नहीं हो सकता, वहां खेती भी संभव नहीं लगती और वहाँ के वातावरण में मांस जैसी गर्मी देने वाली वस्तु के बिना काम नहीं चल सकता । इस समस्या का हल शाकाहार के द्वारा कैसे हो सकता है, इसके अनुसंधान का प्रयत्न नहीं हुआ। यह कमी हमें हमारी कमी माननी होगी।ये कुछ स्थितियाँ होते हुए भी यह सर्व मान्य सिद्धान्त तो सभी को एक स्वर में स्वीकार करना ही होगा कि मानव निसर्गतः मांसाहारी नहीं, शाकाहारी है। अनुभव से भी यह स्पष्ट है कि शिशु अवस्था में मनुष्य मुख्यतः दुग्ध एवं घृत का आहार करता है और बड़ा होने पर वहअन्न का आहार करता है। वर्तमान काल में भी बच्चों को जन्मते ही दूध बच्चे के मुंह में डाला जाता है, इससे सिद्ध होता है कि मनुष्य का मुख्यभोज्य पदार्थ दुग्ध एवं घृत ही है। परन्तु ये पदार्थ जीवन पर्यन्त सभी के लिए पर्याप्त नहीं, अतः बड़ा होने पर उनको अन्न खाना सिखाया जाता है। वस्तुतः मानव का आहार दुग्ध व अन्न ही है। तभी तो अन्न की महत्ता बताते हुए उपनिषद्कार को कहना पड़ा- अन्न व प्राणाः अर्थात् अन ही प्राण है, जीवन है। इसके बिना मानव जीवन का टिकना संभव नहीं, अधिकाधिक अन्न उपजाना ही राष्ट्रीय व्रत माना है।

यह तो सुविदित है कि मांसाहार का आम प्रचलन अनार्य लोगों के अतिरिक्त भारतवर्ष में कहीं नहीं था। अनार्य तथा विदेशियों के संपर्क से ही भारत में इस कुप्रथा को अधिक प्रश्रय मिला है। उनके दीर्घ-कालीन संपर्क सूत्र ने आर्य लोगों के मानस को विकृत बना डाला और मांस का खाद्य पदार्थ के रूप में खुल्लम-खुला प्रयोग किया जाने लगा। जो कि आर्य संस्कृति के विघात के लिए पूर्ण घातक सिद्ध हुआ है

यह पहले कोई नहीं जानता था। परन्तु दुष्काल आदि विषम समय में सभ्य बस्तियों से दूर रहने वाले अनार्य लोगों ने पेट की ज्वाला शांत करने के लिए आरण्यक जानवरों को मार कर उनका मांस खाने की प्रथा चलाई, और इस प्रथा का शिकार करने वाले क्षत्रिय वर्ग को भी चेप

लग गया। जो कि पहले मानव-रक्षा के लिए केवल हिस्स्र-पशुओं का ही शिकार करना उनके कर्तव्यों में सम्मिलित था, परन्तु डायोनिसस् आदि विदेशी आक्रमणकारियों के सम्पर्क से यहाँ के क्षत्रिय लोग भी धीरे-धीरे मांस-मदिरा खाना सीख गये थे, फिर भी आर्य जातियों में यह पदार्थ सर्वमान्य कभी नहीं हो सका।

वैदिक धर्म के सर्वाधिक प्राचीन ग्रन्थ ऋग्वेद में पशु यज्ञों तथा ब्राह्मणों को मांस खाने का अधिकार नहीं है। वेदों का अनुशलीन करने वाले ब्राह्मण भी अश्वमेध करते और उसका मांस खाते थे, यह कथन कोई सत्यता नहीं रखता । इतिहास के झरोखे से देखने पर यह भी ज्ञात होगा कि उत्तर भारत सदा से सभ्य आर्यों से बसा हुआ था, और वह पूर्ण शाकाहारी था। यह तथ्य भारत वर्ष का भ्रमण करने वाले विदेशी यात्रियों ने जो अपनी यात्रा के संस्मरण उट्टकित किए हैं, उनसे स्पष्ट हो जाता है। ग्रीकयात्री मेगास्थनीज जो चन्द्रगुप्त मौर्य की राज-सभा में राजदूत के रूप में वर्षों तक रहा था, और उत्त भारत के अनेक देशों का भ्रमण किया था, उसके यात्रा विवरण से भी उत्तर भारत में आर्यों की प्रधानता और वनस्पत्याहार की मुख्यता थी। उसके वृत्तान्तों के अनुसार वहाँ पहाड़ी अनार्यों को छोड़ कर नागरिक लोग खास प्रसंग के विना माँस-मदिरा कर उपयोग नहीं करते थे।

बौद्धयात्री फाहियान, जो ईसा की पाँचवी शताब्दी के लगभग भारत में आया था, वह उत्तर भारत के सीकाश्य देश के विषय में लिखता है।देशभर में कोई मांसाहारी नहीं है। नहीं कोई मादक द्रव्यों का उपयोग करता है। वे प्याज और लहसुन नहीं खाते । केवल चांडाल लोग ही इस नियम का उल्लंघन करते हैं। वे सब बस्ती के बाहर रहते हैं। और अस्पृश्य कहाते हैं। इनको कोई छूता भी नहीं, नगर में प्रवेश करते समय लकड़ी से कुछ संकेत और आवाज़ करते हैं। जिसको सुनकर नागरिक हट जाते हैं। इस देश के लोग सुअर नहीं पालते । बाजार में मांस और मादक द्रव्य की दुकानें भी नहीं है।

व्यापार हेतु यहाँ के निवासी कौड़ी का व्यवहार करते हैं। केवल चंडाल मात्र ही मांस, मछली मारते और शिकार करते हैं।

वैदिक परंपरा में

भारत वर्ष की प्राचीन सभ्यता के इतिहास के अनुसार वेद-कालीन यज्ञ भी बहुत सीधे-सादे होते थे, उनमें जीवित प्राणियों की आहुति नहीं दी जाती थी, और न देवता ही मांस-भक्षण करते थे । वैदिक काल में जौ और गेहूं खेत की खास पैदावार और भोजन की खास वस्तु जान पड़ती है। ऋग्वेद में अनाज के जो नाम मिलते हैं, वे कुछ सन्देह उत्पन्न करने वाले हैं, क्योंकि पुराने समय में जो उनका अर्थ था वह आजकल बदल गया है। आजकल संस्कृत में यव शब्द का अर्थ केवल जी है, पर वेद में इसी शब्द का मतलब गेहूं और यव से लेकर अन्नमात्र से है। इसी तरह आज कल धान शब्द का अर्थ कम से कम बंगाल में चावल से है, पर ऋग्वेद में यह शब्द भुने हुए जौ के लिए आया है जो कि भोजन के काम में आता था, और देवताओं को भी चढ़ाया जाता था।

ऋग्वेद में ब्रीहि चावल का उल्लेख नहीं है। हम लोगों को इन्हीं अनाजों से बनी हुई कई तरह की रोटियों का भी वर्णन मिलता है, जो खाई जाती थी, और देवताओं को भी चढ़ाई जाती थी । पकी हुई रोटी इसके सिवाय कई दूसरे शब्द मिलते है।इस प्रकार मान्य वैदिक ग्रन्थों का पर्यवेक्षण करने से भी हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि देव और मानव का भोजन घृत तथा दुग्ध एवं वनस्पतिजन्य पदार्थ ही रहे हैं।

भारत वर्ष हजारों लाखों वर्षों से विश्व को शाकाहार का दिव्य सन्देश देता रहा है। यही कारण है कि आज अहिंसा के सम्बन्ध में सूक्ष्मतम चिन्तन करने वाले तथा शाकाहारी जीवन बिताने वाले व्यक्ति भारत में सबसे अधिक मिलते हैं। शाकाहार का प्रयोग भारत-वर्ष की संस्कृति में महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण अध्याय है। सम्यता के आदि संस्कर्ता भगवान् ऋषभदेव का शाकाहार की परंपरा में विशेष अवदान रहा है। कृषि कर्म के माध्यम से मांसाहार के स्वान पर शाकाहार की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देकर उन्होंने विश्व को एक महान् देन दी है। उनका यह उपकार अविस्मरणीय है। किन्तु खेद है कि शाकाहार का महान् सिद्धान्त विश्व में अधिक व्यापक न बन सका । जबकि आवश्यकता इस बात की थी कि यह सिद्धान्त विश्वव्यापी होकर जन-जन के मन का आकर्षण केन्द्र बनता, पर यह नहीं हो सका। यदि यों कह दें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इस युग में तो इस सिद्धान्त का विकास न होकर प्रतिदिन ह्रास ही होता जा रहा है। अब भी समय है, भारत के जो शाकाहारी हैं, वे अहिंसा के प्रत्यक्ष प्रयोग द्वारा मांसाहारी जन-समाज को शाकाहार की ओर आकर्षित करें, उनके जीवन में अहिंसा की आस्था जगाए। खोई हुई चेतना का पुनः सम्पादन करें। निराश होना मनुष्य का धर्म नहीं है। कहा भी है। उन पर जिम्मेदारी है जो स्वयं शाकाहारी होते हुए भी मांसाहारियों कोप्रभावित नही कर सकते है।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार-लेखक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

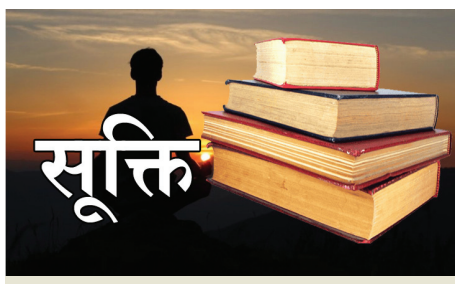

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्त्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।
- महात्मा गांधी

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार ख़तरनाक होते हैं।
- सत्यसाई बाबा

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पूर्व तिथि चतुर्दशी, मंगलवासरे, रेवती नक्षत्रे, वव योगे, गर करणे, सुबह मीन की चंद्रमा, दोपहर बाद मेष की चंद्रमा, श्रीवैकुंठ चतुर्दशी व्रत, पंचक समाप्त दिन के 12/50 सर्वार्थ सिद्ध योगश्च सुबह उत्तर की दोपहर बाद पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, धर्मावलम्बी तथा धनी-मानी, कार्यकुशल होगा।

मेष राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें, धन का व्यर्थ व्यय होगा, उपद्रव तथा क्लेश बना रहेगा।

वृष राशि :- कार्यगति में सुधार, सफलता के साधन बनें, स्त्री-वर्ग से हर्ष होगा, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि :- अधिकारियों के तनाव से बचें, अर्थलाभ, कार्यकुशलता से संतोष अवश्य होगा।

कर्क राशि :- कुटुम्ब से हर्ष-उल्लास, भाग्य का सितारा प्रबल होगा, विशेष कार्य बनेंगे, ध्यान दें।

सिंह राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनें, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्य में मान-प्रतिष्ठा बनें, व्यवसायिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

तुला राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से लेन-देन के मामले स्थगित रखें, रुके कार्य अवश्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा अवश्य बढ़ेगी।

धनु राशि :- अधिकारियों से समर्थन मिलेगा, कार्य कुशलता से संतोष होगा, रुके कार्य बनेंगे।

मकर राशि :- मानसिक बेचैनी, तर्क-वितर्क से दूर रहें, आरोप का शिकार अवश्य हो सकते हैं।

कुंभ राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनेंगे तथा आशानुकूल सफलता मिलेगी।

मीन राशि :- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा कार्यों में सफलता अवश्य ही बढ़ेगी।

मोकामा में रक्तरंजित राजनीति व जातीय समीकरणों का नया गणित

विनोद कुमार सिंह

बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण से पहले ही मोकामा में हुई जन सुराज समर्थक नेता दुलारचंद यादव की हत्या ने राज्य की राजनीति में सनसनी मचा दी है।यह घटना न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों पर गहरी चोट है,बल्कि यह बिहार की उस पुरानी सियासी संस्कृति को भी उजागर करती है,जहाँ बाहुबल, जाति और सत्ता का संगम अक्सर खून-खराबे का सबब बनता है।हत्या से उपजा सियासी तूफ़ान मोकामा विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता दुलार चंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई।उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि जदयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह के समर्थकों ने पहले लाठी-डंडों से हमला किया और फिर यादव को कार से कुचल दिया।वहीं अनंत सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि जन सुराज समर्थकों ने उनके काफिले पर पथराव किया,जिसमें उनके कई समर्थक घायल हुए औरअफरातफरी में किसी ने गोली चला दी।इस घटना ने मोकामा की राजनीति को आग में झोंक दिया है।तेजस्वी यादव,पप्पू यादव और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।पप्पू यादव ने कहा,"हर बड़ी घटना में अनंत सिंह का नाम क्यों आता है?" यह बयान अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है।दुलारचंद यादव कभी लालू प्रसाद यादव के बेहद करीबी माने जाते थे। टाल क्षेत्र में उनका वर्चस्व रहा और वे 1990 के दशक में मोकामा से चुनाव भी लड़ चुके थे।उनका नाम राजनीति के साथ-साथ अपराध की दुनिया से भी जुड़ा रहा।हाल के वर्षों में वे जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी उर्फ लल्लू मुखिया के समर्थक बने और खुलेआम अनंत सिंह के खिलाफ बयान देने लगे।यही विरोध अबउनके जीवन का अंत साबित हुआ।

बिहार विधान सभा चुनाव में मोकामा : -सर्व विदित रहे कि बिहार में बाहुबल और राजनीति की प्रयोगशाला पटना से लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित मोकामा है । यहाँ की विधानसभा क्षेत्र बिहार की राजनीति का प्रतीक-क्षेत्र बन चुका है ।यहाँ जाति,बाहुबल और जनाधार का अनोखा समीकरण है।1951 में गठित यह विधानसभा क्षेत्र मुंगेर लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है।यहाँ का इतिहास बताता है कि 1990 के दशक से बाहुबली नेताओं का बोलबाला रहा है।पहले "बड़े सरकार" दिलीप सिंह,फिर "छोटे सरकार"अनंत सिंह।अनंत सिंह ने 2005 से 2020 तक पाँच बार इस सीट पर विजय हासिल की-चाहे वे जदयू, राजद या निर्दलीय उम्मीदवार रहे हों।2020 में जेल से चुनाव जीतने के बाद भी उनका प्रभाव अडिग रहा,और 2022 में पत्नी नीलम देवी को उपचुनाव में विजेता बनाकर उन्होंने अपना किला बचाए रखा।विधान सभा चुनाव जीत की कुंजी मोकामा की सामाजिक संरचना बिहार की सियासत का सूक्ष्म प्रतिबिंब है।भूमिहार समुदाय यहाँ निर्णायक भूमिका में है,परंतु यादव,कुर्मी, धानुक,पासवान और अति पिछड़ी जातियाँ भी परिणाम तय करती हैं।दुलारचंद यादव की हत्या से यादव और ओबीसी वर्ग में गुस्सा देखा जा रहा है,जो जनसुराज और राजद के पक्ष में लामबंदी की भूमिका निभा सकता हैवहीं,भूमिहार मतदाता परंपरागत रूप से अनंत सिंह के साथ रहे हैं,लेकिन इस घटना ने उनके बीच भी असहजता पैदा की है।यदि यह असंतोष जदयू के कोर वोट बैंक में सेंध लगाता है,तो मोकामा का "अभेद्य किला" दरक सकता है।

इसका राजनीतिक प्रभाव और संभावित परिणाम -

1.जन सुराज पार्टी के लिए सहानुभूति लहर - हत्या ने पीयूष प्रियदर्शी के लिए सहानुभूति की जमीन तैयार कर दी है।

2.अनंत सिंह की छवि पर आघात - बाहुबली की पहचान अब उनके लिए शक्ति नहीं,बोझ बन सकती है।

3.राजद और कांग्रेस के लिए अवसर -यादव और अति पिछड़े मतदाताओं के एकजुट होने से महागठबंधन को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है।

4.एनडीए की रणनीति पर दबाव-जदयू और बीजेपी के लिए यह सीट अब "सम्मानजनक हार" से बचाने की चुनौती बन गई है।

बिहार विधान सभा चुनाव 25 की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का कहना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है।बिहार के इस विधान सभा चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है

बिहार : अब बेचारगी के नाम पर वोट की दरकार

तनवीर जाफ़री

बिहार चुनाव की तिथि जैसे जैसे क़रीब आती जा रही है, वैसे वैसे बिहार में हो रहे चुनाव प्रचार में भी तरह तरह के रंग भरते देखे जा रहे हैं। बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नीतीश सरकार ने सत्ता का पूरा लाभ उठाते हुये आदर्श आचार संहिता लागू होने से कुछ ही मिनट पहले कई ऐसी महत्वपूर्ण घोषणाएं और धन वितरण किए जिनसे वहां के मतदाताओं के एक वर्ग विशेषकर महिलाओं को लाभ पहुंचा। जैसे महिला उद्यमी योजना के तहत 10,000 रुपये की पहली क़िस्त 6 अक्टूबर 2025 यानी चुनाव की तारीख़ की घोषणा होने से कुछ ही मिनट पहले हस्तांतरित की गयी । नितीश सरकार द्वारा यह दावा किया गया कि इससे 21 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। इसके अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि,मासिक पेंशन 400रूपये से बढ़ाकर 1,100 रूपये करने की आदि की घोषणा गई। इसी तरह विपक्षी महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव ने भी लोकलुभावन योजनाओं का पिटारा खोल कर रख दिया है। राज्य के हर परिवार को एक सरकारी नौकरी सहित महिलाओं को लुभाने तक के लिए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने वादा किया है कि सत्ता में आने पर जीविका दीदियों को 30,000 रुपये मासिक वेतन वाली सरकारी नौकरी मिलेगी। साथ ही, ब्याज -मुक्त लोन और अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी। ऐसी और भी कई लोकलुभावन घोषणाएं विपक्षी गठबंधन की ओर से की गयी हैं। बेशक ऐसी घोषणायें मतदाताओं को आकर्षित करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा हैं।

परन्तु सत्तारूढ़ राजग के बिहार विधानसभा के सबसे बड़े घटक दल भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार में कुछ अलग ही रंग भरने की कोशिशें की जा रही हैं। बड़ा आश्चर्य है कि लगभग दो दशक से सत्ता में रहने वाला राजग आज भी बिहार वासियों को लालू राज के दौर का कथित जंगल राज याद दिला रहा है? ख़ासकर भाजपा के स्टार प्रचारक शोले फ़िल्म की तर्ज़ पर बिहार के मतदताओं को याद करा रहे हैं कि राजग गया तो प्रदेश में गुंडा राज स्थापित हो जायेगा। यह बात तब कही जा रही है जबकि आज भी बिहार में सरे आम अपहरण की घटनाएं हो रही हैं। इसी

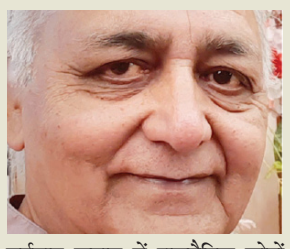

वर्तमान चुनाव में राजनैतिक लोगों की हत्याएं हो रही हैं। अस्पताल में अपराधियों द्वारा दिन दहाड़े भर्ती मरीज़ की हत्या की जा रही है। पूरे राज्य में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। शराब बंदी के बावजूद तीन चार गुने रेट पर शराब की होम डिलेवरी की जा रही है। परन्तु ऐसी अनेक नाकामियों के बाद भी वोट, लालू के 20 वर्ष पुराने कथित गुंडा राज को याद दिला कर मांगा जा रहा है?

इसके अलावा क्या प्रधानमंत्री तो क्या गृह मंत्री जैसे भाजपाई स्टार प्रचारक, सभी अपनी पार्टी का वही सधा सधाया विद्वेषपूर्ण राग अलाप रहे हैं। महागठबंधन पर तुष्टिकरण का आरोप लगा रहे हैं तो कभी उनपर घुसपैठियों को संरक्षण देने का इलज़ाम लगा रहे हैं। बिहार की सत्ता में सबसे बड़ी भागीदारी निभाने के बावजूद आज भी जिस भाजपा के पास अपना कोई भी राज्य स्तरीय नेता तक न हो जिसने आज तक साफ़ शब्दों में अपना मुख्य मंत्री का चेहरा घोषित न किया हो वह पार्टी कभी नेहरू को कोस कर तो कभी भावनात्मक बातें कर राज्य के लोगों की शिक्षा, बेरोज़गारी, स्वास्थ्य व क़ानून व्यवस्था जैसे मूल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। स्वयं जिस पार्टी के प्रदेश के सबसे बड़े नेता व बिहार के निवर्तमान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की नक़ली डिग्री,उनपर बार बार अपना नाम बदलने यहाँ तक कि उनपर सामूहिक हत्याएं करने जैसे आरोप विरोधियों द्वारा संवाददाता सम्मेलन में लगाये जा रहे हों उस भाजपा के मंच से स्वयं प्रधानमंत्री मोदी लोगों को यह बता रहे हैं कि राहुल व तेजस्वी ज़मानत पर घूम रहे हैं ?

और अब चुनाव क़रीब आते आते तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपना चिरपरिचित बेचारगी दिखाने वाला कार्ड भी खेलना शुरु कर दिया है। विधानसभा चुनाव के दौरान, दरभंगा में कांग्रेस के मंच से उनकी दिवंगत माँ के विरुद्ध किसी व्यक्ति के द्वारा बेहद अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। इसी बात को याद दिलाकर मोदी ने बिहार की एक सभा में भावुक होकर कहा कि जो गालियां उनकी मां को दी गई हैं, असल में वो देश की हर मां का अपमान है। उन्होंने बार-बार इस अपमान का जिक्र किया और इसे चुनावी मुद्दा बनाते हुये वोट मांगे। इसी तरह मोदी पहले भी विभिन्न राज्यों में अपने अपमानों की पूरी सूची का ब्यौरा जनसभाओं में पेश करते रहे हैं। जैसे कब उन्हें मौत का सौदागर, बताया गया तो कब उन्हें नीच, हिटलर या गंदी नाली का कीड़ा चोर या रावण कहा गया। और यह अपमान की सूची गिनाने के साथ ही वे कहना नहीं भूलते कि जनता इन अपमानों का जवाब देगी।

उधर विपक्ष ख़ासकर कांग्रेस के पास भी मोदी व अन्य भाजपा नेताओं द्वारा की गयी बदज़ुबानियों की लंबी सूची है परन्तु कांग्रेस कम से कम वोट भुनाने के लिये जनसभाओं में उन शब्दावलियों को नहीं दोहराती कि कब मोदी ने 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड कहा तो कब कांग्रेस की विधवा जैसा अशोभनीय शब्द इस्तेमाल किया। न ही कांग्रेस कभी इंदिरा गाँधी व राजीव गाँधी की शहादत पर वोट मांगती है। न ही वोट की ख़ातिर जनता को बार बार यह याद दिलाती है। परन्तु आज भी भाजपा की ओर से इसी तरह की अपमानजनक बातें की जा रही हैं। जैसे कि गत 30 अक्टूबर को ही इसी बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान लखीसराय की एक रैली में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इतने ग़ुस्से से बटन दबाना कि करंट इटली तक पहुंचे यही बात इसी अंदाज़ में अमित शाह पहले भी असम व छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों की चुनावी सभाओं में करते रहे हैं। गोया भाजपा के नेताओं के भाषणों में मुख्यतः नफ़रत ,विद्वेष, दूसरों को भयभीत करना जैसे यह (कांग्रेस) सत्ता में आये तो तुम्हारी भैंस खोल ले जायेंगे,तुम्हारा मंगलसूत्र लेकर बेच डालेंगे, दूसरे धर्म के लोगों की जनसँख्या बढ़ जाएगी जैसी बातें करते रहते हैं। परन्तु आश्चर्य तो तब होता है जबकि कभी मंच से ही अपना 56 इंच का सीना बताने वाले मोदी को बेचारगी के नाम पर वोट की दरकार होती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि बेचारगी के नाम पर वोट माँगना दरअसल मतदाताओं का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाकर उनसे भावनात्मक व बेचारगी भरी बातें कर उनसे वोट झटकने का एक अभिनयपूर्ण तरीक़ा मात्र ही है इसके सिवा और कुछ भी नहीं।

बिहार चुनाव को लेकर खून खराबा सही नहीं

संजय गोस्वामी

बिहार चुनाव को लेकर जगह जगह लड़ाई झगड़े मारपीट की घटना सामने आ रही है जो बिहार के छवि को धूमिल कर रहा है और ऐ आगे और कितना मार पीट होगा मालूम नहीं लगता है बिहार में क़ोई बहुत बड़ा खजाना छिपा है लेकिन भगवान राम से सबक ले उनके मर्यादा अनुसार काम करें और फिर चुनाव में अपना शांतिपूर्ण तरीका से लड़े भगवान राम खुद परमपिता हैं क्योंकि जब उनके पिताजी ने 14 वर्ष का वनवास दिया तो सहर्ष स्वीकार किया यानि जब वो खुद ही परमपिता हैं तो किससे पूछते सही है या गलत क्योंकि गीता में भगवान कृष्ण ने उपदेश दिया है कि आपका अपना क़ोई नहीं है यदि गलत है तो विरोध करो भगवान राम को जिसने भी संप्रदाय कहा उसका परिवार खुद ही सत्ता के लालच में बर्बाद हुआ जैसे आप बिहार के चुनाव में देख लीजिये जिस परिवार ने उसे संप्रदाय कह कर रथ को रोका आज भाई भाई तेज प्रताप और तेजस्वी यादव दोनों ही एक दूसरे को सत्ता के लोभ में मरने मारने को उतारू हैंभगवान राम के छोटे भाई थे । इनकी पत्नी उर्मिला थी जो की सीता की छोटी बहन थी । इन दोनों भाईयों राम-लक्ष्मण में अपार प्रेम था। उन्होंने राम-सीता के साथ १४ वर्षों का वनवास भोगा था । कौशल्या और कैकेयी इनकी सौतेली माता थीं। इन सभी चारों भाइयों की एक बड़ी बहन जो कौशल्यानंदिनी देवी शांता थी भाई के सामने सत्ता कौन सी बड़ी चीज है सत्ता आती है जाती है लेकिन ऐसा क्या हुआ कि आपस में ही लड़ बैठे भगवान राम के त्याग के महत्व को ना समझने के कारण यह स्थिति हुई अतः भगवान राम ही परमात्मा है जो हार और जीत की पटकठा

लिख चुका है इसलिए भगवान राम से प्रेरणा लेने की जरुरत है लक्ष्मण जानकी कार्तिक महीने में राम लक्ष्मण जी की कहानी सुनने से तुलसी माता के दीपक जलाने से सूरज भगवान को अर्ध्य चढाने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती हैं। जानकारों के अनुसार बिहार में आरजेडी ने हमेशा बूथ कैप्चर कर ही चुनाव किता है यही है बैलेट पेपर का चुनाव, धांधली और बूथ कैप्चर जो लोकतान्त्रिक नहीं है इवीएम मशीन कभी गलत नहीं होता ना ही क़ोई इसे लूट सकता है और ना ही बैलेट पेपर या मत पत्र बदल सकता है क्योंकि उसमें जीपीएस से लैस होता है और मॉक पोल में इलेक्शन एजेंट की उपस्थिति में 50मौक पोल किए जाते हैं जो वीवीपैट से जो पर्ची आती है उसका मिलान किया जाता है तभी ईवीएम मशीन को सील किया जाता है और उस समय जो फॉर्म सी एजेंट व पोलिंग अफसर को दिया जाता है वही काउंटिंग के समय दिखा दिया जाता है और मतों की गणना की जाती है जो बिलकुल पारदर्शी होता है क्योकि जो आप वोट देते है उस उम्मीदवार की पर्ची वी वीपैड से गिरते हुए दिखता है अतः ईवीएम से चुनाव बिलकुल पारदर्शिता होता है उसपर यदि क़ोई सबाल करे तो जहाँ जीत मिलती वहाँ चुप हो जाते हैं और जहाँ से जनता हार का जनादेश देती है उसी में क्यों खोट निकाल देते हैं आखिर वैलेट पेपर पर धांधली हो और ऐसा ही चुनाव चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में देखा गया और सुप्रीम कोर्ट ने नतीजा पलट दिया ऐ मेयर का चुनाव है इसलिए मायने रखता है लालू प्रसाद यादव के जंगलराज के दौर में चुनाव के दौरान बूथ कैप्चरिंग सामान्य थी और जब टी एन शेषण ने ईभीएम से चुनाव कराया तो उनकी हार हुई जिसे उस समय लालूजी ने कहा था लालटेन छाप पर बटन दबाना और जब पीं आवाज़ करें तो मतदान हो गया किसका हिम्मत है कि उसके अलावा किसी और पर बटन दबा दें मोकामा में जन सुराज के प्रत्याशी दुलाल चंद यादव की हत्या होना अवश्य ही सुशासन पर प्रश्न चिन्ह है लेकिन जन सुराज पार्टी ऐसे उम्मीदवार को उतारती ही क्यों है जो लड़ाई झगड़ा में पड़े वो बाहुबली से क्यों उलझें शांति से प्रचार कीजिये और वोट जनता देगी ऐ प्रशासन देखेगी ठीक नहीं हुआ लेकिन लड़ाई झगड़ा उसके बाद भी हो रहा है इससे बचना चाहिए।

लेकिन किसी सोसाइटी या परिषद के चुनाव में धांधली होती है तो लोग इस मुद्दे को डर से ठन्डे बसते में डाल देते हैं और जनादेश का अपमान होता है, आज आप मोदीजी को हटाने के लिए तुले हैं लेकिन आप देश की सेना को सलाम करो 26/11/08 में जो आतंकी हमले मुंबई में हुए 3सौ से अधिक बेगुनाहो को बेहरहमी से क़त्ल कर दिया गया यूपीए सरकार ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन पर क़ोई भी जबाबी कार्यवाही नहीं की पेपर पर डोसीएऱ देने से पाकिस्तान ने आतंकवादी दोषियो का क्या किया और बेगुनाहो को कहाँ न्याय मिला आज आप ऑपरेशन सिंदूर पर सबाल उठा रहें हैं

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत की बेटियों का करिश्मा: महिला टीम ने रचा इतिहास, वर्ल्ड कप जीत के साथ तोड़े कई बड़े रिकॉर्ड

एजेंसी, नवी मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। भारत ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप जीतकर न सिर्फ खिताब अपने नाम किया बल्कि कई विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इस जीत के साथ भारत अब ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बाद 50 ओवर के वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाला चौथा देश बन गया है।

आइए जानते हैं इस ऐतिहासिक सफर में भारत द्वारा बनाए गए शानदार रिकॉर्ड्स---

स्मृति मंधाना की बल्लेबाजी का जलवा

- 434 रन – स्मृति मंधाना ने मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक वर्ल्ड कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। मिताली ने 2017 में 409 रन बनाए थे।

- 339 रन का लक्ष्य – सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने हासिल किया महिला वनडे इतिहास का सबसे बड़ा सफल रनचेज़। यह किसी भी पुरुष या महिला वर्ल्ड कप नॉकआउट में पहली बार 300+ रन का पीछा था।
- 167 रनों की साझेदारी – जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी निभाई।
- 212 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप – स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी विश्व कप साझेदारी का नया रिकॉर्ड बनाया।
- 155 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया – स्मृति और प्रतिका की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी की।

स्मृति मंधाना का सुनहरा विश्व कप- वनडे क्रिकेट में 5000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय बनीं — और वह भी सबसे तेज़ (112 पारियों) और सबसे कम उम्र (29 वर्ष) में। बनीं दुनिया की पहली खिलाड़ी, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय — और सबसे तेज़ (21 पारियों) में।

ऋचा घोष का निचले क्रम से धमाका- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 94 रन की पारी — महिला वनडे में नंबर 8 या नीचे बल्लेबाजी करने वाली खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर। यह पारी किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी पारी भी रही। स्नेह राणा के साथ उनकी 88 रन की साझेदारी — भारत की 8वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी 8वें विकेट साझेदारी बन गई।

दीप्ति शर्मा: ऑलराउंडर की मिसाल- 22 विकेट लेकर बनीं किसी एक वर्ल्ड कप में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज। बनीं पहली खिलाड़ी (पुरुष या महिला) जिन्होंने एक वर्ल्ड कप में 200+ रन और 20+ विकेट दोनों हासिल किए। सेमीफाइनल में 58 रन और 5/39 के शानदार प्रदर्शन के साथ दीप्ति बनीं पहली क्रिकेटर, जिन्होंने वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच में फिफ्टी और पांच विकेट दोनों लिए।

टीम इंडिया की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ- भारत ने ऑस्ट्रेलिया की 15 मैचों की वर्ल्ड कप अजेय श्रृंखला को तोड़ा — 2017 से उनका यह पहला वर्ल्ड कप हार था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ने छठे विकेट के बाद 149 रन बनाए — जो विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्ण युग शुरू- स्मृति की निरंतरता, दीप्ति की हरफनमौला चमक और ऋचा की साहसी बल्लेबाजी ने इस वर्ल्ड कप को भारत के लिए सपनों से भरी हकीकत बना दिया। यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा और भारतीय महिला क्रिकेट के नए युग की शुरुआत है।

महिला टीम पर हुई पैसे की बारिश, बीसीसीआई ने आईसीसी से अधिक इनाम घोषित किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए अपना खजाना खोल दिया है। बीसीसीआई ने विजेता भारतीय टीम के लिए जो इनामी राशि घोषित की है वह आईसीसी की इनामी राशि से भी अधिक है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर खिताबी जीत दर्ज की है। आईसीसी ने इसके बाद भारतीय टीम को 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब 39.78 करोड़ रुपए की इनामी राशि दी है। वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम को 51 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है। सैकिया ने कहा, साल 1983 में कप्तानी कपिल देव ने भारतीय टीम को विश्वकप में जीत दिलाकर क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत की थी। आज महिलाओं ने भी वही किया है। हरमनप्रीत और उनकी टीम ने आज न केवल ट्रॉफी जीती है, बल्कि उन्होंने सभी भारतीयों का दिल भी जीता है। इससे महिला क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए एक अच्छी राह बनी ही। टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही महिला क्रिकेट अगले स्तर पर पहुंच गया था। वहीं खिताबी जीत से वह शीर्ष पर पहुंच गया है। इससे उभरती हुई क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने साथ ही कहा, जय शाह के बीसीसीआई अध्यक्ष रहने के दौरान वह महिला क्रिकेट में कई बदलाव लाए थे जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंनं वेतन समानता पर भी ध्यान दिया था। इसके बाद आईसीसी अध्यक्ष बनने के बाद शाह ने महिलाओं की पुरस्कार राशि 300 फीसदी बढ़ा दी। पहले पुरस्कार राशि 2.88 मिलियन डॉलर थी, और अब इसे बढ़ाकर 14 मिलियन डॉलर कर दिया गया है। इन सभी कदमों ने महिला क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिला है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज से रिलीज़ हुए कुलदीप यादव

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही 5 मैचों की टी20 सीरीज से तीसरे मैच के बाद रिलीज़ कर दिया गया है। इस मैच में भी कुलदीप को खेलने का मौका नहीं मिला। टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि कुलदीप इंडिया ए टीम से जुड़कर दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में हिस्सा ले सकें। यह मुकाबला 6 नवंबर से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने इस बात की जानकारी अपने आधिकारिक 'एक्स' (X) अकाउंट पर साझा की। कुलदीप को लाल गेंद से अभ्यास दिलाने का मुख्य उद्देश्य उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयार करना है।

अपडेटेड भारत टी20 टीम (चौथे और पांचवें टी 20 के लिए):- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

अपडेटेड इंडिया ए टीम (दूसरा चार दिवसीय मैच):- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बरार, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, कुलदीप यादव।

सिनर ने जीता पेरिस मास्टर्स, अल्काराज़ से छीनी विश्व नंबर-1 की कुर्सी

एजेंसी, पेरिस

इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस मास्टर्स 2025 का खिताब अपने नाम किया और साथ ही विश्व नंबर-1 रैंकिंग पर दोबारा कब्जा जमा लिया। फाइनल में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को सीधे सेटों में 6-4, 7-6(4) से हराया। 24 वर्षीय सिनर के लिए यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक रही। उन्होंने न केवल अपना पहला पेरिस मास्टर्स खिताब जीता बल्कि बिना एक भी सेट गंवाए टूर्नामेंट जीतने वाले इतिहास के चौथे खिलाड़ी बने। यह सिनर का इस वर्ष का पांचवां खिताब है और उन्होंने लगातार 26वीं इनडोर हार्डकोर्ट जीत दर्ज की। फाइनल के बाद सिनर ने कहा, "यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है। हमने पिछले कुछ महीनों में लगातार मेहनत की है और अब उसका नतीजा देखना बेहद संतोषजनक है।" वहीं, ऑगर-अलियासिम के लिए यह हार निराशाजनक रही। उन्हें टूयूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने के लिए यह खिताब जीतना जरूरी था, लेकिन वे मौका गंवा बैठे। इस जीत के साथ सिनर ने स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर टेनिस जगत की शीर्ष रैंकिंग हासिल कर ली है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह 'आईडीसीए 9वीं टी-20 नेशनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप फॉर द डेफ' के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह आज छावला में आयोजित आईडीसीए 9वीं टी-20 नेशनल क्रिकेट चैंपियनशिप फॉर द डेफ के उद्घाटन समारोह में शामिल हुई। उन्होंने यहां सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की। यह टूर्नामेंट 3 से 9 नवंबर तक दिल्ली में आयोजित हो रहा है। इसका आयोजन इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन के अधीन डेफ क्रिकेट सोसाइटी दिल्ली की ओर से किया जा रहा है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट में देशभर से कुल 20 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से 15 खिलाड़ी चयनित होकर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनेंगे और दुबई में आयोजित वर्ल्ड कप (डेफ टूर्नामेंट) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र को साकार करते हुए हमारे ये खिलाड़ी देश का गौरव बढ़ाकर साबित कर रहे हैं कि कोई भी चुनौती उन्हें रोक नहीं सकती।

व्यापार

दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार में मामूली बढ़त, निवेशकों ने कमाए 2.23 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सवा दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। आज दिन भर कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.71 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया। दिन में ज्यादातर समय सीमित दायरे में मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के कुछ देर बाद ये सूचकांक 81 अंक की तेजी के साथ 25,803.10 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इस स्तर पर पहुंचने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 40 अंक लुढ़क कर 41.25 अंक की मजबूती के साथ 25,763.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 472.49 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो

गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.26 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.23 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,461 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,246 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,992 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 223 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,825 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,599 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,226 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 103.61 अंक की गिरावट के साथ 83,835.10 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 20 मिनट में ही ये सूचकांक 329.17 अंक की कमजोरी के साथ 83,609.54 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाला और लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स थोड़ी देर में ही उछल कर हरे निशान में पहुंच गया। हालांकि इस स्तर पर बाजार में लगातार दबाव बना रहा, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल सीमित दायरे में लगातार ऊपर नीचे होती रही। दोपहर 2 बजे के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 188.29 अंक की मजबूती के साथ 84,127 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 150 अंक फिसल कर 39.78 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,978.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 25.25 अंक फिसल कर 25,696.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक थोड़ी देर में ही 76.60 अंक की कमजोरी के साथ 25,645.50 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर इस सूचकांक को सहारा देना शुरू किया, जिसकी वजह से निफ्टी हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 6.35 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.79 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल 1.87 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.77 प्रतिशत और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी) 1.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, मारुति सुजुकी 3.31 प्रतिशत, आईटीसी 1.52 प्रतिशत, टीसीएस 1.35 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 1.25 प्रतिशत और जेएसडब्ल्यू स्टील 0.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,22,990 रुपये से लेकर 1,23,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,12,740 रुपये से लेकर 1,12,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,51,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,23,140 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,23,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,12,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,22,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,23,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,23,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,12,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पाइन लैब्स ने प्राइस बैंड का किया ऐलान, सात नवंबर को खुलेगा 3,899.91 करोड़ का पब्लिक इश्यू

नई दिल्ली। फिनटेक यूनिकॉर्न पाइन लैब्स के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 210 रुपये से लेकर 221 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 67 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 3,899.91 करोड़ रुपये का है। पाइन लैब्स का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 7 नवंबर को खुलेगा। निवेशक इसमें 11 नवंबर तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 नवंबर को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 14 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 67 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,807 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,491 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,080 करोड़ रुपये के 9,41,17,647 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा 1,819.91 करोड़ रुपये के 8,23,48,779 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 265.15 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 341.90 करोड़ रुपये और 2024-25 में गिर कर 145.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 4.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 1,690.44 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1,824.16 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2,327.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 653.08 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 329.51 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 532.92 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 829.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 888.74 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 196.80 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में घट कर 158.20 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए बढ़ कर 356.72 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 तक ये 120.56 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा।

'बारामूला' की एक्ट्रेस यामी गौतम ने की खूब प्रशंसा

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बारामूला' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों में गहरी उत्सुकता जगा दी है। अभिनेता मानव कौल की फिल्म के ट्रेलर को देखकर बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने भी अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "धुरंधर भाइयों अपनी आकर्षक कहानियों से पारंपरिक सीमाओं को तोड़ रहे हैं और नए जमाने के भारतीय सिनेमा की पहचान को नए सिरे से लिख रहे हैं। मैंने 'बारामूला' देखी है और मुझे जिमी भैया और आदित्य पर बहुत गर्व है। यह फिल्म बी62 स्टूडियो के बैनर तले बनी है और इसे देखने का इंतजार अब खत्म हो गया है।" यामी के इस संदेश ने फिल्म को लेकर दर्शकों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है। फिल्म 'बारामूला' का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक आदित्य सुहास जंभाले ने किया है। फिल्म की कहानी यामी गौतम के पति और जाने-माने लेखक-निर्देशक आदित्य धर ने लिखी है, जिन्होंने पहले 2019 की सुपरहिट फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' से निर्देशन की दुनिया में तहलका मचा दिया था। इस बार आदित्य ने अपनी कहानी के जरिए कश्मीर के सामाजिक और भावनात्मक पहलुओं को रोमांचक अंदाज में पेश करने की कोशिश की है। फिल्म का निर्माण लोकेश धर, ज्योति देशपांडे और आदित्य धर ने संयुक्त रूप से किया है। इसमें सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड स्कोर का संयोजन रहस्य को और गहराई देता है। मानव कौल के तीखे संवाद और गहन अभिनय ने ट्रेलर को दमदार बना दिया है, जिससे दर्शकों को फिल्म के प्रति और अधिक आकर्षण महसूस हो रहा है। 'बारामूला' 7 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म न केवल एक रोमांचक थ्रिलर के रूप में बल्कि भारतीय सिनेमा में नई कहानी कहने की शैली के रूप में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। दर्शकों को उम्मीद है कि यह फिल्म रहस्य और भावना का एक अनोखा संगम साबित होगी। बता दें कि रहस्य और रोमांच से भरपूर इस फिल्म के ट्रेलर में कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित एक गंभीर कहानी दिखाई गई है, जहां बच्चों के अचानक गायब होने की घटनाओं की जांच करते हुए मानव कौल का किरदार नजर आता है। ट्रेलर में कश्मीर की खूबसूरत वादियों के बीच फैले सन्नाटे और रहस्य ने इसे और प्रभावशाली बना दिया है।

'महारानी 4' में फिर रानी भारती का किरदार निभाएगी हुमा कुरैशी

बिहार की राजनीति और सत्ता के गलियारों में चलने वाले संघर्ष को दर्शाने वाली चर्चित राजनीतिक ड्रामा सीरीज 'महारानी' में एक बार फिर हुमा कुरैशी मुख्य भूमिका में रानी भारती का किरदार निभाती नजर आएंगी। तीन सफल सीजन के बाद इसका चौथा सीजन 7 नवंबर से सोनी लिव पर स्ट्रीम होने जा रहा है। इस सीरीज ने अपने गहरे सामाजिक और राजनीतिक विषयों के कारण ओटीटी दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। हुमा कुरैशी ने बताया कि 'महारानी' उनके करियर का एक अहम हिस्सा बन चुकी है। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, "अगर मैंने ननिहाल के बाद कहीं सबसे ज्यादा वक्त बिताया है, तो वह 'महारानी' का सेट है। यह शो मेरे दिल के बहुत करीब है। रानी भारती का किरदार मेरे लिए सिर्फ एक भूमिका नहीं, बल्कि एक यात्रा है जिसमें मैंने खुद को भी नए तरीके से जाना है।" अभिनेत्री ने आगे कहा कि इस शो की दुनिया पूरी तरह काल्पनिक होते हुए भी इसमें वास्तविक राजनीति और मानवीय रिश्तों की झलक मिलती है। हुमा ने अपने किरदार के विकास पर बात करते हुए कहा, "रानी के आदर्श और राजनीतिक चतुराई के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। यही चीज़ इस किरदार को गहराई और इंसानियत देती है। इस सफर का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं और उम्मीद करती हूं कि यह यात्रा आगे भी जारी रहे।" 'महारानी 4' का निर्देशन पुनीत प्रकाश ने किया है, जबकि इसका निर्माण सुभाष कपूर ने कांगड़ा टॉकीज प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले किया है। इस सीजन में कहानी में नई ऊर्जा जोड़ने के लिए दो नए कलाकार राजेश्वरी सचदेव और दर्शील सफारी की एंट्री हुई है। इनके शामिल होने से सीरीज की कहानी में नए ट्विस्ट और गहराई की उम्मीद की जा रही है। मुख्य कलाकारों में हुमा कुरैशी के साथ श्वेता प्रसाद, विपिन शर्मा, अमित सियाल, विनीत कुमार, शार्दुल भारद्वाज, कनी कुसरुति और प्रमोद पाठक शामिल हैं।

बॉक्स ऑफिस पर 'बाहुबली : द एपिक' का जलवा जारी

एस.एस. राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म सीरीज 'बाहुबली' ने एक बार फिर सिनेमाघरों में इतिहास रच दिया है। 2015 में रिलीज हुई पहली फिल्म ने भारतीय सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था, जबकि 2017 की 'बाहुबली 2' ने इस सफलता को कई गुना बढ़ा दिया। अब, इन दोनों भागों को मिलाकर निर्देशक राजामौली ने एक बार फिर दर्शकों के सामने पेश की है 'बाहुबलीः द एपिक', जो एक बार फिर दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है।

बॉक्स ऑफिस पर 'बाहुबलीः द एपिक' की कमाई : 31 अक्टूबर को रिलीज हुई 'बाहुबलीः द एपिक' ने शुरुआती दिनों में शानदार प्रदर्शन किया है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे दिन तक कुल 24.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। रिलीज के पहले दिन फिल्म ने 9.65 करोड़ रुपये की दमदार ओपनिंग ली, जबकि दूसरे दिन इसका जोश बरकरार रहा। तीसरे दिन, रविवार को, फिल्म ने 6 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके अलावा, फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग से 1.15 करोड़ रुपये का बिज़नेस हुआ था।

राजामौली का जादू अब भी बरकरार : फिल्म के विजुअल्स, भव्य संगीत और इमोशनल अपील ने दर्शकों को एक बार फिर अपनी ओर खींच लिया है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले कारोबारी दिनों में फिल्म की कमाई में और इज़ाफा देखने को मिलेगा। 'बाहुबलीः द एपिक' ने यह साबित कर दिया है कि सच्चा सिनेमा वक्त से नहीं मिटता, वो बार-बार जन्म लेता है और हर बार पहले से ज्यादा चमकता है।

मुझे लगता है कि अभी बहुत मेहनत करनी है : सोनम बाजवा

अभिनेत्री सोनम बाजवा आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल और लोकप्रिय अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, इसके बावजूद सोनम इस मुकाम पर पहुंचकर भी खुद को सफल नहीं मानतीं। पंजाबी और हिंदी फिल्मों में अपनी अलग पहचान बना चुकी एक्ट्रेस का मानना है कि हर दिन मेहनत, आत्ममंथन और आत्म-सुधार का है। वह कहती हैं कि लोकप्रियता या प्रशंसा असली सफलता का मापदंड नहीं हैं, बल्कि सच्ची सफलता तब होती है जब व्यक्ति अपने काम से संतुष्ट महसूस करे। एक बातचीत में सोनम ने कहा, "मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी है। अगर मैं पंजाबी इंडस्ट्री की बात करूं, तो मैंने बहुत सारी फिल्में की हैं, लेकिन हर नई फिल्म से पहले मेरा उतना ही उत्साह होता है जितना नर्वसनेस महसूस करती हूं। ये दोनों भावनाएं मुझे अपने काम को और

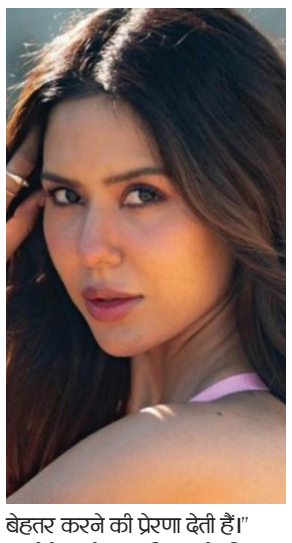

बेहतर करने की प्रेरणा देती हैं।" उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए हर फिल्म एक नई चुनौती होती है। "मैं हमेशा सोचती हूं कि कैसे अपने काम को और अच्छा बना सकती हूं, कैसे किसी फिल्म को और सफल बना सकती हूं। मेरे लिए सफलता सिर्फ प्रसिद्धि पाने या तालियां सुनने का नाम नहीं है। असली संतोष तब मिलता है जब मैं अपने काम से पूरी तरह खुश होती हूं।" सोनम ने कहा कि चाहे वह बड़े पर्दे पर हों या किसी छोटे प्रोजेक्ट का हिस्सा, वह हर किरदार को पूरी ईमानदारी से निभाती हैं। "मुझे नहीं पता कि लोग मुझे कैसे देखते हैं, लेकिन मैं अपने काम में आत्मविश्वासी हूं। फिर भी हमेशा लगता है कि मैं और बेहतर कर सकती थी। शायद यही सोच मुझे आगे बढ़ाती है," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। सोनम का मानना है कि करियर में जो भी सफलता उन्हें मिली है, वह केवल उनकी मेहनत का परिणाम नहीं, बल्कि ईश्वर की कृपा भी है। "मैं हर चीज के लिए ईश्वर का धन्यवाद करती हूं। जो कुछ भी मिला है, वह मेरे लिए आशीर्वाद है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मैं ठहर जाऊं। मैं चाहती हूं कि हर प्रोजेक्ट में खुद को पिछले से बेहतर साबित करूं।"

परेश रावल ने बाबूराव के दोहराव पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल इन दिनों फिल्म 'द ताज स्टोरी' में नजर आ रहे हैं, जिसकी कहानी ताजमहल से जुड़े इतिहास पर आधारित है। वहीं दर्शक लंबे समय से 'हेरा फेरी 3' का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें परेश रावल एक बार फिर अपने मशहूर किरदार 'बाबूराव' के रूप में दिखाई देंगे। हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान परेश रावल ने स्वीकार किया कि वह खुद बाबूराव वाले किरदार के दोहराव से थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि लगातार एक ही तरीके से इस किरदार को निभाने की मांग अब उनके लिए चुनौती बन गई है। परेश रावल ने बातचीत में कहा, "लोगों को खुश करने के लिए आप एक ही चीज बनाते रहते हैं। लेकिन दर्शक भी तब मजा लेते हैं जब किरदारों को अलग-अलग तरीके से पेश किया जाए। जैसे राजू हिरानी

ने 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' में किया था।" उन्होंने कहा, "जब आपके पास इतने बड़े किरदार और 500 करोड़ की वैल्यू हो, तो जोखिम क्यों नहीं लेते? मेरा मानना है कि किरदार को अलग अंदाज में निभाना चाहिए, क्योंकि उसके लिए दर्शक मौजूद हैं। सिर्फ एक ही ढर्रे पर चलते रहना गलत है।" परेश रावल ने यह भी कहा कि बाबूराव का किरदार अक्सर उनके अन्य मजबूत और गंभीर किरदारों पर हावी हो जाता है। "बाबूराव बेहद सहज है, लेकिन मेरे कई गंभीर किरदार भी हैं जिन्हें लोग कम याद करते हैं।" परेश रावल के इस बयान के बाद फैन्स एक तरफ 'हेरा फेरी 3' को लेकर उत्साहित हैं, तो दूसरी ओर यह भी जानना चाह रहे हैं कि इस बार 'बाबूराव' किस नए अंदाज में दिखाई देंगे।

'इक्क कुड़ी' मेरे लिए सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना: शहनाज गिल

अपनी सादगी, जोश और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री, फिल्म निर्माता शहनाज गिल की पहली फिल्म बतौर निर्माता 'इक्क कुड़ी' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह फिल्म न सिर्फ उनके करियर में एक नया अध्याय जोड़ती है, बल्कि उनके दिल के बेहद करीब भी है। शहनाज का कहना है कि यह तो बस शुरुआत है, आगे उन्हें बहुत कुछ हासिल करना है। मीडिया से चर्चा में शहनाज गिल ने कहा, "'इक्क कुड़ी' मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना है। यह मेरे जीवन का वो सफर है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। इस फिल्म ने मुझे एक कलाकार के साथ-साथ एक निर्माता के रूप में भी परखा है।" बतौर निर्माता अपनी जिम्मेदारी पर बात करते हुए शहनाज ने कहा

कि इस नए अनुभव ने उन्हें कई तरह से विकसित किया है। उन्होंने बताया, "निर्माता बनने के साथ कई जिम्मेदारियां आती हैं कहानी का चयन, पूरी टीम का प्रबंधन और प्रोजेक्ट की दिशा तय करना। जब मैंने 'इक्क कुड़ी' की कहानी सुनी, तो मुझे यह इतनी सच्ची और दिल छू लेने वाली लगी कि मैंने तय किया कि इस फिल्म को खुद प्रोड्यूस करूंगी। यह एक ऐसी कहानी थी जिसे पर्दे पर आना जरूरी था।"शहनाज ने आगे कहा कि उन्होंने इस फिल्म पर एक तरह का 'दांव' खेला है और अब वह दर्शकों की प्रतिक्रिया को लेकर उत्साहित हैं। अपने करियर में सिंगिंग, एक्टिंग और रियलिटी शो से लेकर अब प्रोडक्शन तक का सफर तय करने वाली शहनाज का कहना है, "अभी तो मैंने शुरुआत की है, अभी तो बहुत कुछ बाकी है।" उनके अनुसार, हर नया अनुभव कुछ सिखाता है, लेकिन 'इक्क कुड़ी' उनके लिए सबसे भावनात्मक प्रोजेक्ट है। शहनाज ने कहा, "मैंने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में नई शुरुआत की, लेकिन इस फिल्म को मैं अपने करियर का सबसे खास और निजी अध्याय मानती हूं। यह मेरे दिल के बहुत करीब है।" 'इक्क कुड़ी' की कहानी एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने लिए सही जीवनसाथी की तलाश में है। इस फिल्म के लेखक और निर्देशक अमरजीत सिंह हैं।

अगस्त्य नंदा की 'इक्कीस' की रिलीज़ डेट आई सामने

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इक्कीस' को लेकर दर्शकों में उत्साह चरम पर है। पिछले हफ्ते रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर ने सिनेमाप्रेमियों में जोश भर दिया था, और अब निर्माताओं ने इसकी रिलीज़ डेट का भी ऐलान कर दिया है। फिल्म 'इक्कीस' इस साल क्रिसमस, यानी 25 दिसंबर 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान ने किया है, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली है बेहतरीन फिल्ममेकर श्रीराम राघवन ने, जो अपने थ्रिलर और इमोशनल नैरेटिव के लिए जाने जाते हैं। 'इक्कीस' सिर्फ एक फिल्म

नहीं, बल्कि साहस और बलिदान की सच्ची दास्तान है। इसकी कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान लड़ी गई उन लड़ाइयों पर आधारित है, जिन्होंने भारतीय सेना के इतिहास में अमर अध्याय जोड़े। फिल्म में सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन की अनकही कहानी दिखाई जाएगी, जिन्हें उनके अदम्य साहस के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। यह फिल्म न सिर्फ युद्धभूमि की गूंज दिखाएगी, बल्कि उस भावनात्मक संघर्ष को भी उकेरेगी, जो एक जवान अपने कर्तव्य और परिवार के बीच झेलता है। 'द आर्चीज' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले अगस्त्य नंदा इस फिल्म में एक सशक्त और गहराई भरा किरदार निभाते नजर आएंगे। उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया, जो इसी फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। वहीं दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिससे यह युद्ध-नाटक और भी प्रभावशाली बन गया है।

Highway horror: 15 killed as mini bus rams into parked trailer near Jodhpur

Jaipur, Agency: At least 15 people were killed and two others were injured after a mini bus collided with a trailer parked on the Bharatmala highway (NH-15) in Rajasthan's Phalodi, nearly 40 kilometres away from Jodhpur on Sunday, police said.

Jodhpur police commissioner, Om Prakash Paswan, said, "The incident took place at around 6.30pm on Sunday. The bus was carrying nearly 18 to 20 passengers, all residents of Jodhpur's Soorsagar. They were returning from Bikaner's Kolayat after a visit to Kapil Muni Ashram. At least 15 have been killed while two others were seriously injured who have sent to Jodhpur city."

According to the police, the trailer was parked near a roadside dhaba on the Bharatmala highway. "The traveller bus was approaching at a high speed. The collision happened when it tried to overtake a truck and lost control. The collision was so intense that the front portion of the bus was completely smashed and 15 people died

on the spot," said Amana Ram, Mathoda police station inspector.

Soon after the incident, local residents gathered at the spot and launched a rescue. "The deceased include four minors, the bus driver, and 10 women. Their identification is underway," said the inspector.

President Droupadi Murmu offered her condolences to the families of the dead. "The news of the deaths of many people in the road accident that occurred in Phalodi, Rajasthan, is extremely heartbreaking," the President said on X.

Prime Minister Narendra Modi announced an ex-gratia of 2 lakh to the family members of the dead and 50,000 each to the families of those injured. Saddened by the loss of lives due to a mishap in Phalodi district, Rajasthan. My thoughts are with the affected people and their families during this difficult time. Praying for the speedy recovery of the injured. An ex-gratia of 2 lakh from PMNRF would be given to the next of kin of each deceased. The injured would be given 50,000," he wrote on X.

Chief minister Bhajan Lal Sharma expressed.

grief on the tragedy and directed the Soorsagar MLA Devendra Joshi to monitor the situation.

India Gate disappeared: AAP, Congress take potshot as very poor AQI, smog choke Delhi

New Delhi, Agency: The Aam Aadmi Party and the Congress launched fresh criticism in the wake of the deteriorating air quality in the smog-choked Delhi, which has been recording an Air Quality Index (AQI) between 'poor' and 'very poor' category for days now.'

Sharing a photo of faintly visible India Gate amid smog in the Capital, the Aam Aadmi Party (AAP) said on its X handle that the iconic structure had "disappeared."

"India Gate has disappeared in Delhi...No matter how much the government tampers with the AQI, India Gate has exposed the BJP's true colors by vanishing behind the smog," AAP's Delhi unit said in a post on X.

AAP leader Saurabh Bharadwaj, while talking to reporters in Delhi, said that most applications on people's mobile phones were taking data from the government's air quality monitoring stations.

"The AQI you see on your mobile phones, most apps take data from the Delhi and central governments' AQI monitoring stations. If you see iPhone's Weather app, they only take data from the government monitoring stations - DPCC, CPCB, and IMD. Only some apps have their own monitoring stations, like the US embassy," Bharadwaj said.

Apart from AAP and Congress, Shiv Sena (UBT) leader Aaditya Thackeray also termed the pollution in Delhi as "worrisome." "What's more worrisome is the strategies made to hide the real AQI numbers. What's problem does the Union and State Govern ment.

have to accept the situation and bring about Socio-political consensus on climate action?" Thackeray questioned in a post on X.

In a video posted on X, Bharadwaj was seen outside an AQI monitoring station in Delhi. The video showed what the former Delhi minister said were trucks belonging to the Municipal Corporation of Delhi.

Bharadwaj alleged that the trucks were sprinkling water "day and night around" the pollution monitoring station.

Speeding truck on wrong side head-on collision with bus

What led to Telangana road accident that killed 24

New Delhi, Agency: At least 24 people were killed, while several others were left injured, in a road accident in Telangana's Ranga Reddy district on Monday when a speeding truck collided with a Telangana State Road Transport Corporation (TSRTC) bus.

The speeding truck carrying gravel was reportedly on the wrong side of the road. The bus was carrying 70 passengers and was headed to Hyderabad when the truck from the opposite direction collided and fell on the bus, as mentioned in an earlier HT report.

Telangana bus accident: 24 killed in massive truck-bus collision in Ranga Reddy

New Delhi, Agency: At least 24 people were killed and several others were injured when a lorry carrying gravel collided head-on with a state-run road transport corporation (RTC) bus in Telangana's Ranga Reddy district on Monday morning, the police said.

The bus, belonging to the Tandur depot with 70 passengers was travelling to Hyderabad, when the lorry coming from the opposite direction collided with it and fell on the bus, near Mirzaguda village in Chevella mandal (block).

According to police, the impact of the collision was so severe that the lorry's gravel load fell onto the bus, trapping several passengers underneath. Eyewitnesses said the accident site presented a heart-rending scene, with passengers crying for help as locals rushed to rescue them.

Among the deceased are the drivers of both the RTC bus and the lorry, several women, and a ten-month-old infant along with its mother, police said.

Emergency teams rushed to the spot and launched rescue operations using three JCB excavators to remove the debris and pull out those trapped inside.

The injured have been shifted to the Chevella Government Hospital, while those in critical condition are being referred to hospitals in Hyderabad.

22-year-old kills man for not allowing daughter to marry him in Greater Noida

Greater Noida, Agency: A 22-year-old man was arrested on Sunday for allegedly killing a 45-year-old man in Badalpur for not agreeing to marry his daughter with him, police said.

Greater Noida: A 22-year-old man was arrested on Sunday for allegedly killing a 45-year-old man in Badalpur for not agreeing to marry his daughter with him, police said.

Police identified the suspect as Deepak Goswami. (File representative image) (Deepak Gupta/Hindustan Times)

Police identified the suspect as Deepak Goswami. (File representative image) (Deepak Gupta/Hindustan Times)

The 22-year-old had met the man's daughter through social media two years ago, and her parents spurned his marriage proposal of late, police

said on Sunday, adding that six teams had been engaged in the investigation. Police identified the suspect as Deepak Goswami, a pharmacy undergraduate student-cum-medical representative, originally from Meerut and residing in Surajpur's Kasba area in Greater Noida.

He was arrested on Sunday in Badalpur for murdering Mahipal, a farmer and resident of Bambawar village, Greater Noida, who would also sell agricultural land on commission, said officials.

ED attaches 40 properties worth 3,000 crore of Anil Ambani-led Reliance Group

New Delhi, Agency: The Enforcement Direc torate (ED) has attached 40 properties worth ?3,000 crore, including the Pali Hill residence of the Ambani family in Mumbai and the Reliance Centre in Delhi, in connection with its money laundering probe against the Anil Ambani-led Reliance Group, people familiar with the development said.

Other than the Bandra residence and Reliance Centre at Ranjit Singh Marg in Delhi, the agency has attached multiple assets across Delhi, Noida, Ghaziabad, Mumbai, Pune, Thane, Hyderabad, Chennai (including Kancheepuram) and East Godavari under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA). These assets include office premises, residential units and land parcels, officials said, adding that aggregate value of attachments is ?3,084 crore.

The company is yet to release a statement on the ED action.

The probe pertains to diversion and laundering of public funds raised by Reliance Home Finance Ltd (RHFL) and Reliance Commercial Finance Ltd (RCFL).

It is alleged that during 2017–2019, Yes Bank invested 2,965 crore in RHFL instruments and ?2,045 crore in RCFL instruments and these turned into non-performing investments by December 2019, with ?1,353.50 crore then outstanding for RHFL and ?1,984 crore for RCFL, said an officer who didn't want to be named.

The ED investigation found that direct investment by the erstwhile Reliance Nippon Mutual Fund into Anil Ambani Group financial companies was not legally possible

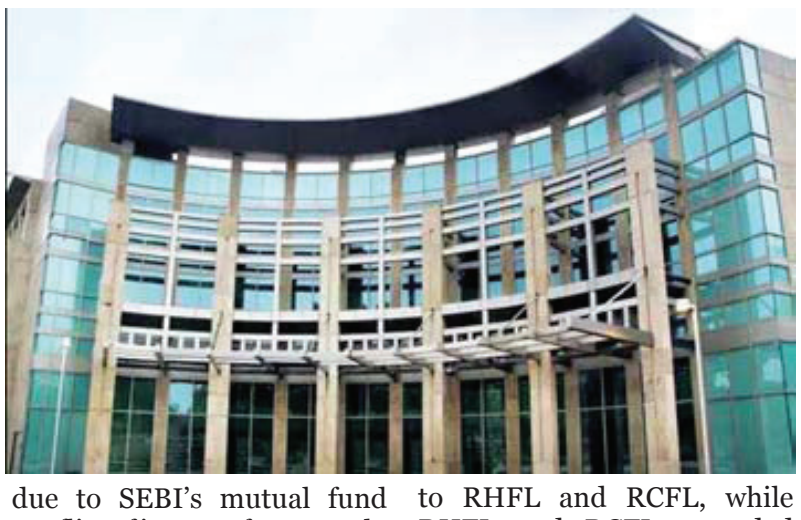

due to SEBI's mutual fund conflict of interest framework. In violation of these guidelines, the money invested by general public in the mutual fund was routed indirectly through Yes Bank exposures, which ultimately landed with Anil Ambani Group companies," the officer said.

The investigation, according to a second officer, shows funds were routed indirectly through Yes Bank's exposures to RHFL and RCFL, while RHFL and RCFL extended loans to entities linked to the Reliance Anil Ambani Group.

"The fund-tracing by ED found diversion of funds on lending to group linked entities and ultimate siphoning off. Substantial portions of corporate loans (General Purpose Corporate Loans) ultimately landed in accounts of Reliance group companies. While extending these loans, serious control failures are found by ED. The loans to group linked companies were speed processed without core prudential checks. Many loans were processed on the same day as application, sanction and agreement, and in some cases, disbursal preceded sanction," said the second officer.

ED has also found that the funds were advanced even before the application for loan, which can be possible only if the applicant time travelled and field investigation and personal discussions were waived; documents were left blank, overwritten and undated.

"Several borrowers had weak financials or negligible operations. Security creation was inadequate or unregistered, and security schedules were left blank, the end use did not match the sanction conditions. ED found these intentional and consistent control failures," he added.

The agency officials said they have also intensified probe in Reliance Communications Ltd. (RCOM) and related companies loan fraud.

ED has found that these companies diverted over 13,600 crore used in evergreening loans, over 12,600 crore was diverted to connected parties and over ?1,800 crore was invested in FDs/MFs etc, which was substantially liquidated for rerouting to group entities.

"Huge misuse of bill discounting for the purpose of funneling funds to connected parties has also been detected by ED. ED continues to trace proceeds of crime and secure attachments of property. Recoveries made by ED would ultimately benefit the general public," said the first officer.